mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-213 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
03 अगस्त 2026 सोमवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

दैनिक मीडिया ऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

एक्टर धनुष की राजनीति में एंट्री की अटकलें तेज

सीएम विजय के ज्योतिषी बोले- 2031 में विजय और धनुष में मुकाबला होगा

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु की राजनीति में एक्टर धनुष की एंट्री की अटकलें तेज हो रही हैं। सीएम विजय के ज्योतिषी रिकी राधन पंडित वेट्रिवेल का दावा है कि 2031 के चुनाव में विजय और धनुष की सीधी टक्कर संभव है। धनुष ने अभी राजनीति पर कुछ नहीं कहा है। लेकिन, हाल में एक फिल्मी कार्यक्रम में हजारों प्रशंसकों से कहा- यह एकजुटता सिर्फ फिल्मी आयोजनों तक न रहे। अपने क्षेत्रों में जनसेवा करें।

धनुष ने अपने 43वें जन्मदिन पर गरीबों को मुफ्त ऑटो रिक्शा दिए। करीब 30 लोगों को रोजगार के लिए आर्थिक मदद की। धनुष के करीबी सूत्र बताते हैं कि वह राज्य के दौरे की योजना बना रहे हैं। वहां प्रशंसकों से मिलेंगे। जनकल्याण कार्यों के जरिए लोगों से जुड़ेंगे।

मायावती ने भतीजे आकाश के ससुर को पार्टी से निकाला

कहा- बार-बार चेतावनी देने के बाद भी नहीं सुधरे, अब कभी वापस नहीं लेंगे

लखनऊ,एजेंसी। बसपा सुप्रीमो मायावती भतीजे आकाश आनंद के ससुर पर भड़क गई हैं। उन्होंने रविवार को अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर निकाल दिया। कहा- बार-बार चेतावनी देने के बाद भी नहीं सुधरे। अब इन्हें कभी पार्टी में वापस नहीं लेंगे।

मायावती ने रणधीर सिंह बेनीवाल को भी पार्टी से बाहर कर दिया। बेनीवाल बसपा में कोऑर्डिनेटर के साथ ही पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

पिछले डेढ़ साल में यह दूसरा मौका है, जब मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर किया। 12 फरवरी 2025 को गुटबाजी करने पर भी अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से बाहर किया था। हालांकि, छह महीने बाद सितंबर 2025 में उनकी दोबारा पार्टी में वापसी हो गई थी।

अशोक सिद्धार्थ के पास तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गुजरात, छत्तीसगढ़ और दिल्ली में बसपा की जिम्मेदारी थी। मायावती ने शनिवार को उनसे इन राज्यों का जिम्मा छीन लिया था।

पेरू में टूरिस्ट प्लेन क्रैश क्रू समेत 13 की मौत

सभी 11 पर्यटक यूरोप से थे, 2000 साल पुरानी नाज्का लाइन्स देखने

पेरू,एजेंसी। पेरू के नाज्का शहर के पास शनिवार को एक टूरिस्ट प्लेन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में 11 यूरोपीय पर्यटकों समेत 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 इटली, 2 स्पेन और 2 जर्मनी के पर्यटक शामिल हैं। विमान के पायलट और को-पायलट की भी जान चली गई। यह विमान इका शहर से उड़ान भरकर पर्यटकों को 2000 साल पुरानी नाज्का लाइन्स दिखाने जा रहा था। नाज्का लाइन्स के पास पहुंचने के बाद प्लेन खेत में जाकर गिरा। इसमें आग लग गई। हादसे के बाद प्लेन के मलबे के पास जले हुए शव बिखरे पड़े थे।

'केरलम और कर्नाटक में भारी बारिश-लैंडस्लाइड से 11 की मौत, 8 लापता

● किश्तवाड़ में बादल फटने से कई घरों में पानी घुसा, बद्रीनाथ हाईवे 20 मीटर तक धंसा

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। केरलम में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड और बाढ़ से 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता हैं। सरकार ने 209 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 5,792 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है।

कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मल्लिकार्जुन (35), उनकी पत्नी नागवेणी (28) और 3 साल का बेटा संतोष शामिल हैं। हादसे के समय तीनों पहाड़ी के पास बने घर में सो रहे थे।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के छतरू इलाके में शनिवार को बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। कई मकानों और दुकानों को नुकसान पहुंचा, दो कारें बह गईं और सड़कों पर मलबा भर गया। एहतियात के तौर पर किश्तवाड़, डोडा और रामबन के सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

वहीं उत्तरकाशी में यमुनोत्री नेशनल हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ। चमोली के गौचर के पास कमेड़ा में बद्रीनाथ हाईवे का 20 मीटर हिस्सा धंस गया, जिससे यातायात वन-वे कर दिया गया है। मौसम विभाग ने 7 अगस्त तक मौसम खराब रहने का अनुमान जताया है।

तमिलनाडुः 2000 लोगों ने बारिश के लिए प्रार्थना की... तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में सूखे मौसम की वजह से तिरुचिरापल्ली के थेन्नूर में मुस्लिम समाज के 2,000 लोगों ने बारिश की विशेष प्रार्थना (सलात अल-इस्तिस्का) की। कई जिलों में तापमान 37.5एष्ट से ऊपर बना हुआ है और राज्य भीषण जल संकट का सामना कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में बादल ज्यादा फटते हैं: जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की सबसे बड़ी वजह हिमालय की ऊंची पर्वत श्रृंखलाएं हैं। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी भरी हवाएं इन पहाड़ों से टकराकर ऊपर उठती हैं।

ऊपर जाते ही हवा ठंडी हो जाती है और उसमें मौजूद नमी तेजी से बादलों में जमा होने लगती है। इसके अलावा, संकरी घाटियां और ऊंची चोटियां बादलों को एक जगह रोक देती हैं। इससे कम क्षेत्र में बहुत ज्यादा नमी इकट्ठी हो जाती है। जब बादल इतना पानी संभाल नहीं पाते, तो अचानक बेहद तेज बारिश होती है। यही वजह है कि डोडा, किश्तवाड़, रामबन, पुंछ, राजौरी, सोनमर्ग और कश्मीर घाटी के ऊंचे इलाकों में बादल फटने की घटनाएं मैदानी क्षेत्रों की तुलना में ज्यादा होती हैं।

केंद्र की जम्मू-कश्मीर को बड़ी सौगात

9,800 करोड़ रुपये की दो सुरंग परियोजनाओं की मंजूरी; चेनाब तक पहुंच होगी आसान

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जम्मू-कश्मीर में नेशनल हाईवे (NH-244) पर दो महत्वपूर्ण सुरंग परियोजनाओं और उनसे जुड़ी संपर्क सड़कों के निर्माण की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कैबिनेट ने यह मंजूरी शुक्रवार को बैठक में दी। करीब 9,800 करोड़ रुपये की लागत वाली इन परियोजनाओं का उद्देश्य कश्मीर घाटी और जम्मू क्षेत्र के बीच हर मौसम में बेहतर संपर्क सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही चेनाब घाटी तक पहुंच भी आसान होगी।

इन परियोजनाओं में अनंतनाग-चेनानी कॉरिडोर पर सिंहपोरा-वैलू सुरंग और सुधमहादेव-द्रंगा सुरंग शामिल हैं। इनके पूरा होने से डोडा, किश्तवाड़ और उधमपुर जिलों की सड़क कनेक्टिविटी मजबूत होगी और यात्रा का समय भी कम हो जाएगा।

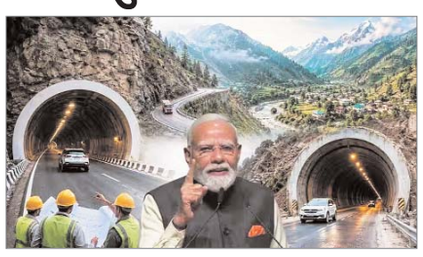

केंद्र सरकार दोनों परियोजनाओं को करेगी फंड... जानकारी के मुताबिक, करीब 39 किलोमीटर लंबे सिंहपोरा-वैलू मार्ग पर 10 किलोमीटर लंबी एकतरफा दोहरी सुरंग बनाई जाएगी। जबकि 13 किलोमीटर लंबे सुधमहादेव-द्रंगा खंड पर 8 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण होगा। इन दोनों परियोजनाओं को पूरी तरह केंद्र सरकार फंड करेगी और इन्हें अगले पांच वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक सरकार का फैसला:

स्कूल और कॉलेज के 50 मीटर के दायरे में जंक फूड पर बैन

बेंगलुरु,एजेंसी। कर्नाटक खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन (FSDA) विभाग ने एक एडवाइजरी जारी की है जिसमें राज्य के स्कूलों और कॉलेजों के 50 मीटर के दायरे में ज्यादा फैट, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाई गई है। यह एडवाइजरी जुलाई में 134 स्कूलों और कॉलेजों के आस-पास मौजूद फूड बिजनेस एस्टेब्लिशमेंट के एफएसडीए द्वारा किए गए निरीक्षणों के बाद जारी की गई है।

विभाग ने बताया कि नतीजों के आधार पर 24 जुलाई को एक एडवाइजरी जारी की गई थी। इसमें कहा गया कि स्कूल और कॉलेज परिसर के 50 मीटर के दायरे में ज्यादा फैट, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों की बिक्री न की जाए, हेल्दी खाने के विकल्पों को बढ़ावा दिया जाए और फूड बिजनेस ऑपरेटर फूड सेफ्टी नियमों का सख्ती से पालन करें।

एडवाइजरी में या कहा गया? एफएसडीए ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'जांच के दौरान खाने-पीने की चीजों की क्वालिटी, साफ-सफाई, फूड सेफ्टी स्टैंडर्ड्स का पालन, लेबलिंग की जरूरतों, एक्सपायर हो चुके फूड प्रोडक्ट्स की बिक्री और फूड बिजनेस ऑपरेटर्स के लाइसेंस/रजिस्ट्रेशन की वैधता की जांच की गई। यह देखा गया कि स्कूल और कॉलेज परिसर के अंदर और आस-पास मौजूद कुछ फूड बिजनेस प्रतिष्ठान ज्यादा फैट, शुगर और नमक वाले फूड प्रोडक्ट्स बेच रहे थे।

'एडवाइजरी को प्रभावी ढंग से लागू कराएं अधिकारी': एफएसडीए ने कहा, 'जिले के नियुक्त अधिकारियों और फूड सेफ्टी अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे पूरे राज्य में इस एडवाइजरी को प्रभावी ढंग से लागू करें और स्कूल-कॉलेज मैनेजमेंट, फूड बिजनेस ऑपरेटरों और आम जनता के बीच जागरूकता फैलाएं। '

विभाग ने स्कूलों के पास मौजूद सभी खाने-पीने की दुकानों को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 के तहत लाइसेंस लेने और रजिस्ट्रेशन कराने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी कहा गया कि फूड सेफ्टी अधिकारी स्कूलों और कॉलेजों के आस-पास नियमित रूप से जांच करेंगे।

इसमें कहा गया है कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 और फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स रूल्स/रेगुलेशन्स, 2011 का उल्लंघन करने पर सुधार के लिए नोटिस जारी करना, लाइसेंस सस्पेंड या रद करना, फूड प्रोडक्ट्स जब्त करना और जरूरत पड़ने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने कहा कि जांच में पाया गया कि कुछ स्कूलों में बच्चों को जो खाना दिया जा रहा था उसमें रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट, जैसे सफेद ब्रेड, पास्ता और प्रोसेस्ड स्नैक फूड ज्यादा मात्रा में थे। एफएसडीए ने 24 जुलाई की अपनी एडवाइजरी में कहा, 'इस तरह के खाने से ब्लड शुगर लेवल तेजी से बढ़ सकता है। पूरे दिन लगातार एनर्जी बनाए रखने और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को बेहतर बनाने के लिए इन खानों में लीन प्रोटीन और हेल्दी फैट को शामिल करके संतुलन बनाना जरूरी है।

अभिजीत दीपके के परिवार की संपत्ति जांचने की मांग

● सीजेपी कार्यकर्ता ने पूछा- पिता जूनियर इंजीनियर, उनकी सैलरी में बेटे की अमेरिका में पढ़ाई कैसे हुई

नई दिल्ली,एजेंसी। सूरत के RTI कार्यकर्ता अमित तिवारी ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके के परिवार की आर्थिक स्थिति की जांच की मांग की है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार, चुनाव आयोग (ECI) और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) को शिकायत भेजी है।

तिवारी का दावा है कि अभिजीत दीपके के पिता भगवानराव दीपके महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (MIDC) में जूनियर इंजीनियर (JE) थे। उनकी मासिक सैलरी करीब 60-65 हजार थी। ऐसे में यह जांच होनी चाहिए कि उन्होंने अपने बच्चों की अमेरिका में उच्च शिक्षा का खर्च कैसे उठाया।

तिवारी बोले- CJP रजिस्टर्ड संस्था नहीं है: अमित तिवारी ने महाराष्ट्र सरकार से भगवानराव दीपके की आय और संपत्ति की जांच कराने की मांग की है। उनका आरोप है कि ष्टछ्वक्क राजनीतिक दल की तरह काम कर रही है, लेकिन उसका चुनाव आयोग में पंजीकरण नहीं है और वह चंदा भी जुटा रही है।

सीजेपी आंदोलन पर भी उठाए सवाल... अमित तिवारी ने CBIC से अपनी मांग में कहा कि राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने CJP को फंड के तौर पर जो 1 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है, उस पर भी 18% GST लगाया जाए।

उन्होंने चुनाव आयोग से कहा कि अगर CJP राजनीतिक दल की तरह काम कर रही है और चंदा ले रही है, तो उसे जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29 के तहत राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रेशन कराना चाहिए तिवारी ने कहा कि शुरुआत में CJP का आंदोलन नीट पेपर लीक जैसे मुद्दे तक सीमित था, लेकिन बाद में आंदोलन की दिशा बदल गई।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़फोड़ करने वाला था संदिग्ध जैश आतंकी

बंगाल एसटीएफ का दावा- पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने वाला था; गर्लफ्रेंड भी गिरफ्तार

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने दावा किया है कि बर्धमान जिले से गिरफ्तार संदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद ऑपरेटिव हमीम मंडल ने दिल्ली के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रची थी। STF के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स ने हमीम को CJP के छात्र प्रदर्शन में पुलिस की वर्दी पहनकर घुसने और वहां अशांति फैलाने का निर्देश दिया था।

STF के IG गौरव शर्मा के मुताबिक, हमीम को बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रखने और उनकी सुरक्षा से जुड़ी जानकारी जुटाने का भी काम सौंपा गया था। हमीम को दो दिन पहले पूर्व बर्धमान से गिरफ्तार किया गया था।

अदालत ने उसे 14 दिन की STF हिरासत में भेज दिया है। STF ने हमीम की गर्लफ्रेंड अर्पिता सरकार को भी झारखंड से गिरफ्तार किया है। एजेंसी का दावा है कि दोनों पाकिस्तान से जुड़े शाहजाद भट्टी गैंग के इशारे पर काम कर रहे थे।

उसके वॉट्सऐप चैट से पाकिस्तान से जुड़े संपर्कों के संकेत

राज्य मंत्री के बेटे को हनी ट्रैप में फंसा रही थी अर्पिता... हमीम और उसकी गर्लफ्रेंड पर बंगाल के राज्य मंत्री उमेश राय के बेटे को हनीट्रैप कर अगवा करने और परिवार से वसूली की साजिश रचने का भी आरोप है। STF के मुताबिक, अर्पिता कई नेताओं और अन्य चर्चित लोगों से हनीट्रैप के जरिए जानकारी जुटाकर हमीम तक पहुंचाती थी।

कॉलेजियम सिस्टमः नागरिकों को जानने का हक है कि उनके जज कौन हैं': जस्टिस उज्ज्वल भुइयां

नई दिल्ली,एजेंसी। आत्म-मंथन का आह्वान करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने कहा है कि कॉलेजियम के कुछ फैसलों में पारदर्शिता की कमी रही है, जिससे अवांछित उम्मीदवारों के लिए न्यायपालिका में प्रवेश करने और असंवैधानिक टिप्पणियां करने की गुंजाइश बनी है। जस्टिस भुइयां ने पूछा, 'मैंने देखा है कि कॉलेजियम के पिछले तीन फैसलों में कोई कारण नहीं बताया गया है। क्या यह पारदर्शिता के सिद्धांत से पीछे हटने जैसा कदम है?' जस्टिस भुइयां ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के फैसलों के साथ पहले कुछ कारण बताए जाते थे भले ही वे पूरी तरह से विस्तृत न हों। जस्टिस भुइयां ने याद दिलाया कि कॉलेजियम के कुछ पुराने प्रस्ताव काफी ज्यादा विस्तृत थे। 2022 में पूर्व चीफ जस्टिस यूयू ललित के कार्यकाल के दौरान जारी एक प्रस्ताव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उसमें सिफारिशों के लिए ठोस तर्क दिए गए थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के 18 जनवरी, 2023 के उस प्रस्ताव का भी जिक्र किया, जिसमें दिल्ली हाई कोर्ट के जज के तौर पर सौरभ कृपाल की नियुक्ति की सिफारिश को दोहराया गया था।

'जजों ने किस तरह के फैसले सुनाए, ये नागरिकों को जानने का अधिकार'... जज ने कहा, 'कुछ लोग तो यह भी कह सकते हैं कि वे कुछ हद तक एक ही ढर्रे पर बने या कॉपी-पेस्ट जैसे थे लेकिन कम से कम उन सुझावों को सही ठहराने के लिए कुछ कारण तो बताए गए थे। जैसा कि हमने देखा है, प्लेटो से लेकर बेंथम तक नागरिकों को यह जानने का अधिकार है कि अदालतों में क्या हो रहा है। उन्हें यह जानने का अधिकार है कि उनके जज कौन हैं। उन्हें यह जानने का अधिकार है कि जज ने किस तरह के फैसले सुनाए हैं। यह सब सार्वजनिक जानकारी में होना

पीएम बोले: भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा

● दुश्मन देश युवाओं को नशे में धकेलना चाहते हैं ● हमें उनकी प्लानिंग नाकाम करनी है

नई दिल्ली,एजेंसी। पीएम मोदी ने रविवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है।

पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से फिट होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा।

उन्होंने बताया कि अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार कला, संस्कृति, खेल और अन्य गतिविधियों के जरिए नशा मुक्ति का संदेश देशभर में पहुंचाया जाएगा। पीएम ने युवाओं से इस अभियान का नेतृत्व करने और 2047 तक विकसित भारत बनाने में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

नशा मुक्त युवा कार्यक्रम में 1 करोड़ से ज्यादा युवा शामिल हुए: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। प्रधानमंत्री के संबोधन से पहले देशभर के युवाओं ने एक साथ 'नशा मुक्त भारत' की शपथ ली।

यह कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देशभर के 28 हजार से ज्यादा स्थानों पर एक साथ आयोजित किया गया। अभियान में 1 करोड़ से ज्यादा युवा शामिल हुए।

कार्यक्रम में 5 प्रमुख आध्यात्मिक गुरु-अम्मा, रविशंकर, दाजी, डॉ. चिन्मय पंड्या और स्वामी ब्रह्मविहारीजी भी वर्चुअली जुड़े। इसके अलावा कई मुख्यमंत्री और राज्यपाल भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

100 हफ्तों तक हर रविवार कार्यक्रम होगा: इस कार्यक्रम का मकसद युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अपने समाज में बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ाना है। यह अभियान अगले 100 हफ्तों तक चलेगा। इसके तहत हर रविवार देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे, जिनके जरिए लोगों को नशे के नुकसान बताए जाएंगे और नशा मुक्त भारत का संदेश दिया जाएगा।

नशे के खिलाफ जन आंदोलन बनाने की कोशिश... यह अभियान 125 से ज्यादा आध्यात्मिक संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसके अलावा स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, सामाजिक संस्थाएं और उद्योग संगठन भी इस अभियान से जुड़े हैं। सरकार चाहती है कि इस अभियान में स्कूल, कॉलेज, युवा संगठन, सामाजिक संस्थाएं, उद्योग संगठन और आध्यात्मिक संस्थाएं मिलकर काम करें। उद्देश्य है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस मुहिम से जुड़ें और नशे के खिलाफ इसे जन आंदोलन बनाया जाए।

प्रवेश वर्मा की मानहानि शिकायतः सौरभ भारद्वाज केस में कोर्ट में चली पेन ड्राइव, 8 अगस्त को अगली सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के खिलाफ दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा द्वारा दायर मानहानि मामले में शनिवार को सुनवाई हुई। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) नेहा मित्तल की अदालत में गवाह की जिरह के दौरान शिकायत के साथ दाखिल सीलबंद लिफाफे में रखी पेन ड्राइव को खोलकर अदालत में चलाया गया। सामग्री देखने के बाद अदालत ने पेन ड्राइव को दोबारा कोर्ट की मुहर लगाकर सील करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता पक्ष की ओर से आगे के साक्ष्य के लिए समय मांगा गया। अदालत ने इसे न्यायहित में स्वीकार करते हुए स्पष्ट किया कि यह अंतिम अवसर होगा।

आरोपी को नहीं जारी किया गया समनः इसके बाद अदालत ने मामले में शेष शिकायतकर्ता साक्ष्य (प्री-समन एविडेंस) के लिए सुनवाई आठ अगस्त को निर्धारित की है। यह मामला भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 223 के तहत दायर शिकायत से संबंधित है। फिलहाल अदालत शिकायतकर्ता पक्ष के साक्ष्य दर्ज कर रही है और अभी तक आरोपित को समन जारी नहीं किया गया है।

प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक शांति का अनूठा संगम है पिथौरागढ़ का 'ध्वज मंदिर'

उत्तराखंड एजेंसी। उत्तराखंड के पूर्वी हिमालयी सीमांत जिला पिथौरागढ़ में भगवान शिव और माता जयंती को समर्पित 'ध्वज मंदिर' स्थित है। प्राकृतिक सुंदरता के बीच बसा यह मंदिर धार्मिक महत्व के साथ-साथ अपनी सकारात्मक ऊर्जा के लिए भी जाना जाता है। गुरुवार को उत्तरखांड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसके महत्व पर प्रकाश डाला। मंदिर की महत्ता का बखान करने के लिए उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंदिर का शानदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, 'पिथौरागढ़ जिले में भगवान शिव और माता जयंती को समर्पित 'ध्वज मंदिर' आध्यात्मिक पहचान और अटूट आस्था का एक प्रमुख केंद्र है। प्राकृतिक सुंदरता से घिरा यह पवित्र स्थान भक्तों को आध्यात्मिक शांति और अलौकिक ऊर्जा का अनुभव कराता है। ' सीएम धामी ने बताया कि नवरात्र के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिलती है। उन्होंने लिखा, 'खासकर नवरात्र के पावन अवसर पर यहां भव्य पूजा-अर्चना और धार्मिक आयोजन किए जाते हैं, जिनमें दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त आते हैं। पिथौरागढ़ आने पर इस पवित्र मंदिर के दर्शन जरूर करें। ' लगभग 2000 मीटर की ऊंचाई पर एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित 'ध्वज मंदिर' मुख्य जयंती माता मंदिर से लगभग 200 फीट नीचे भगवान शिव का एक प्राचीन गुफा मंदिर स्थित है। मंदिर से हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियों और चारों ओर के हरे-भरे पहाड़ों का सुंदर नजारा दिखाई देता है। नवरात्र और महाशिवरात्रि के पावन अवसरों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है और विशेष मेले का आयोजन किया जाता है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस ऊंची पहाड़ी पर प्राचीन ऋषियों ने तपस्या की थी और उन्हें यहां देवी-देवताओं के दिव्य दर्शन हुए थे। इस मंदिर का इतिहास और इससे जुड़ी कथाएं बहुत प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि इस स्थान पर भगवान शिव के नाम पर एक 'ध्वज' लगाया गया था, जिसके बाद स्थानीय निवासियों ने इसका नाम 'ध्वज मंदिर' रख दिया। एक अन्य जनश्रुति के अनुसार, इस स्थल का नाम 'कपड़ी वंश' के पूर्वजों द्वारा रखा गया था।

हर सुबह हरियाली के नाम... गाजियाबाद में पीढ़ियों का जीवन संवारने को बुजुर्ग धरा को कर रहे हरा-भरा

गाजियाबाद, एजेंसी। शहर में लगातार बढ़ते कंक्रीट के जंगल और घटती हरियाली के बीच शहर के कुछ बुजुर्गों और पर्यावरण प्रेमियों ने एक ऐसी मिसाल कायम की है, जो समाज को पर्यावरण संरक्षण का वास्तविक अर्थ समझा रही है। पिछले करीब दो दशकों से यह टोली बिना किसी प्रचार-प्रसार या सरकारी सहायता की अपेक्षा किए लगातार पौधारोपण और उनकी देखभाल में जुटी है। इनके प्रयासों से अब तक शहर के विभिन्न हिस्सों में 25 हजार से अधिक छायादार, फलदार और औषधीय पौधे लगाए जा चुके हैं। इनमें से हजारों पौधे आज विशाल वृक्ष बनकर लोगों को छाया, स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण दे रहे हैं। राजनगर स्थित सेव अर्थ चैरिटेबल ट्रस्ट के बैनर तले चल रही यह मुहिम केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है। टीम का सबसे बड़ा लक्ष्य पौधों को जीवित रखना है। इसी कारण टोली के सदस्य प्रतिदिन सुबह छह बजे से करीब साढ़े सात बजे तक ई-रिक्शा और छोटे

वाहनों में पानी की टंकियां भरकर निकलते हैं। शहर की अलग-अलग ग्रीन बेल्ट और सड़कों के किनारे लगाए गए पौधों की सिंचाई करते हैं, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं और जरूरत पड़ने पर नए पौधे भी रोपते हैं। इस अभियान की शुरुआत पर्यावरण प्रेमी अभय त्यागी ने अकेले की थी। धीरे-धीरे इस नेक कार्य से उद्यमी, सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी और सामाजिक कार्यकर्ता जुड़ते चले गए। आज उनके साथ डा. राकेश चावला, अजय मित्तल, अश्विनी शर्मा, शिव कुमार शर्मा और धर्मेंद्र सहित कई सदस्य नियमित रूप से श्रमदान कर रहे हैं। वहीं अरुण त्यागी, पंकज गुप्ता, राजीव मल्होत्रा और मनोज कुमार जैसे सहयोगी आर्थिक और अन्य संसाधनों से इस अभियान को मजबूती दे रहे हैं।

पेंशन और निजी आय से अभियान जारी

टीम के सदस्य बताते हैं कि पौधारोपण और देखभाल का अधिकांश खर्च वे अपनी पेंशन और निजी आय से उठाते हैं। किसी से कभी सहयोग की मांग नहीं की जाती। यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से पौधे, पानी की व्यवस्था या अन्य सहयोग करता है तो उसका सम्मानपूर्वक स्वागत किया जाता है। यही कारण है कि अब राहगीर और स्थानीय निवासी भी इस अभियान से प्रेरित होकर पौधे दान करने लगे हैं।

पर्यावरण संतुलन बनाने वाले अधिक लगाए पौधे

इस मुहिम के तहत नीम, पीपल, पिलखन, सहजन, आम, इमली, बेल और अन्य देशी प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं। इनका चयन इस आधार पर किया जाता है कि वे लंबे समय तक जीवित रहें और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में अधिक उपयोगी साबित हों। आज शहर की करीब 30 से 40 ग्रीन बेल्ट इन लोगों की मेहनत से हरी-भरी नजर आती हैं।

धरा को हरा-भरा करने में जुटी टोली का कार्य एक नजर में

20 वर्षों से लगातार पौधारोपण और संरक्षण।
शहर में 25 हजार से अधिक पौधे लगाए।
शहर की 40 से अधिक ग्रीन बेल्ट को हराभरा बनाया।
प्रतिदिन सुबह छह से 7.30 बजे तक पौधों की सिंचाई।
पेंशन और निजी आय से चल रहा अभियान।
हर व्यक्ति के लिए हरित और स्वच्छ पर्यावरण का लक्ष्य।

105 साल पुराने सेंट्रल सेक्रेटेरिएट क्लब पर बेदखली की कार्रवाई, दिल्ली हाई कोर्ट में पहुंचा मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और सेवानिवृत्त अधिकारियों के 105 वर्ष पुराने सेंट्रल सेक्रेटेरिएट क्लब (सीएससी) ने अपनी मान्यता रद किए जाने और परिसर खाली कराने की कार्रवाई को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। क्लब की याचिका पर न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की पीठ सुनवाई करेगी। याचिका में क्लब ने कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के उस फैसले को मनमाना और कानून के विपरीत बताया है, जिसके तहत क्लब की मान्यता समाप्त रखने का निर्णय बरकरार रखा गया और इसके बाद संपदा निदेशालय को क्लब को परिसर से बेदखल करने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया गया। क्लब का कहना है कि अदालत के निर्देश पर गठित समीक्षा समिति के समक्ष उसने अपना विस्तृत पक्ष रखा था, इसके बावजूद उसकी दलीलों पर समुचित विचार किए बिना मान्यता समाप्त रखने का निर्णय लिया गया। इसलिए इस निर्णय और बेदखली की कार्रवाई को रद किया जाना चाहिए।

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के सबसे पुराने क्लबों में शामिलः वहीं, केंद्र सरकार का कहना है कि क्लब में लंबे समय से प्रशासनिक और वित्तीय अनियमितताएं सामने आ रही थीं। कार्यकारिणी के चुनाव समय पर नहीं कराए गए, प्रबंधन समिति संविधान के अनुरूप नहीं थी और क्लब अपने मूल कल्याणकारी उद्देश्यों को पूरा करने में भी विफल रहा। इन कारणों से उसकी मान्यता समाप्त करने का निर्णय लिया गया। वर्ष 1919 में स्थापित सेंट्रल सेक्रेटेरिएट क्लब नई दिल्ली के पार्क स्ट्रीट, तालकटोरा रोड के पास स्थित है और यह केंद्र सरकार के कर्मचारियों के सबसे पुराने क्लबों में शामिल है। शासन संबंधी मुद्दों के कारण यह तीसरा अवसर है जब डीओपीटी ने क्लब की मान्यता वापस ली है।

युद्धपोत कम, मिसाइलें घटीं: शीर्ष जनरल की पेंटागन को चेतावनी, इस्राइल को ईरानी हमले से बचा पाएगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिका की रक्षा तैयारियों को लेकर बड़ी चिंता सामने आई है। अमेरिकी यूरोपीय कमान के प्रमुख जनरल एलेक्सस ग्रिनकेविच ने पेंटागन को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी नौसेना के पास अब इतने युद्धपोत और इंटरसेप्टर मिसाइलें नहीं बची हैं कि वह लंबे समय तक ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमलों से इस्राइल की रक्षा करता रहे।

इस्राइल की तुलना में अमेरिका ने खर्ची ज्यादा मिसाइलें: वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, जनरल ग्रिनकेविच ने भूमध्य सागर में एक और अमेरिकी विध्वंसक तैनात करने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो अमेरिका को भविष्य में एक कठिन फैसला लेना पड़ सकता है। उसे यह तय करना होगा कि वह अपनी मातृभूमि की सुरक्षा को प्राथमिकता दे या फिर इस्राइल की रक्षा के लिए अपने संसाधन खर्च करता रहे। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा युद्ध के दौरान अमेरिका ने इस्राइल की तुलना में कहीं ज्यादा इंटरसेप्टर मिसाइलें दागी हैं। इन मिसाइलों का इस्तेमाल ईरान की बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने के लिए किया गया।

तेजी से घट रहा मिसाइल भंडारः रक्षा मामलों से जुड़े थिंक टैंक सीएसआईएस और अमेरिकी रक्षा विभाग के आंतरिक आकलन के अनुसार, अमेरिका के कई अहम मिसाइल सिस्टम का बड़ा हिस्सा इस्तेमाल हो चुका है। इनमें थाड और पेट्रियट जैसे एयर डिफेंस सिस्टम के करीब 50 फीसदी इंटरसेप्टर खर्च हो चुके हैं। इसके अलावा प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल , टॉमहॉक क्रूज मिसाइल, जैसी मिसाइलों के भंडार में भी कमी आई है। अमेरिकी जनरल ने अतिरिक्त युद्धपोत तैनात करने की मांग की। इस्राइल की सुरक्षा और अमेरिकी मातृभूमि के बीच चुनाव की चेतावनी। अमेरिका ने इस्राइल से ज्यादा इंटरसेप्टर मिसाइलें दागीं। कई मिसाइल सिस्टम का बड़ा स्टॉक खर्च हो चुका। मिसाइल भंडार दोबारा भरने में कई साल लगने की आशंका।

भरपाई में लग सकते हैं कई साल

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, इन अत्याधुनिक मिसाइलों का उत्पादन आसान नहीं है। युद्ध के दौरान खर्च हुए हथियारों की भरपाई करने और पुराने स्तर का स्टॉक तैयार करने में अमेरिकी सेना को कई साल लग सकते हैं। यही वजह है कि रक्षा विशेषज्ञ भविष्य में किसी नए बड़े संघर्ष की स्थिति में अमेरिका की तैयारियों को लेकर चिंता जता रहे हैं।

क्या बढ़ सकता है सुरक्षा संकट

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर पश्चिम एशिया के अलावा दुनिया के किसी अन्य क्षेत्र में भी बड़ा सैन्य संकट पैदा होता है, तो अमेरिका के लिए एक साथ कई मोर्चों पर जवाब देना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में उसके सीमित मिसाइल भंडार और युद्धपोतों की उपलब्धता बड़ी चुनौती बन सकती है।

सितंबर तक तैयार होगा नोएडा एयरपोर्ट का अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल, दिसंबर से विदेशी उड़ानें शुरू होने की उम्मीद

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नोएडा एयरपोर्ट का अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का निर्माण सितंबर तक पूरा हो जाएगा। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो की सुरक्षा को लेकर जांच और अनापत्ति के बाद साल के अंत तक विदेश के लिए विमान सेवा शुरू होने की संभावना है। मध्य पूर्वी एशिया और आसियान देशों के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर विशेष जोर होगा। नोएडा एयरपोर्ट से घरेलू विमान सेवा 15 जून से शुरू हो चुकी हैं। बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद समेत देश के कई शहरों के लिए इंडिगो और अकासा एयर विमान सेवा का संचालन कर रही हैं। लेकिन लोगों को एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू होने का बेसब्री से इंतजार है।

आंतरिक साज सज्जा का काम जारीः एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का निर्माण अभी जारी है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि.

के अधिकारियों के मुताबिक सिविल वर्क पूरा हो चुका है। आंतरिक साज सज्जा का काम चल रहा है। सितंबर अंत तक अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल पूरी तरह से तैयार हो जाएगा, लेकिन विमान सेवा शुरू होने से पहले नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो सुरक्षा मानक को लेकर जांच करेगा। उसकी अनापत्ति के बाद ही अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू होगी। घरेलू टर्मिनल के सुरक्षा मानकों को लेकर भी सुरक्षा ब्यूरो ने कई आपत्ति लगाई । इसके चलते 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों उद्घाटन के बाद यात्री सेवा 15 जून से शुरू हो पाई थीं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. के नोडल अफसर शैलेंद्र भाटिया का कहना है कि नोएडा एयरपोर्ट से दिसंबर में अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा शुरू होने की संभावना है। एयरपोर्ट का संचालन कर रही कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. को शुरूआत में मध्य पूर्वी एशिया और आसियान देश इंडोनेशिया, वियतनाम, लाओस, ब्रुनेई, थाईलैंड, म्यांमार, फिलीपींस, कंबोडिया, सिंगापुर और मलेशिया आदि को विमान सेवा के लिए प्राथमिकता देने का सुझाव दिया गया है। ताकि विमान कंपनियों को शुरुआत से एयरपोर्ट पर यात्रियों की अच्छी खासी संख्या मिल सके।

पीओके चुनावों को लेकर पश्चिमी देशों के रुख पर क्यों उठे सवाल रिपोर्ट में दावा- पाक को मिल रही रणनीतिक छूट

तेल अवीव, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में हुए तथाकथित विधानसभा चुनावों को लेकर पश्चिमी देशों के रुख पर सवाल उठाए गए हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चुनावों के दौरान धांधली, मतदाताओं को डराने-धमकाने और विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी जैसे आरोप सामने आए, लेकिन इसके बावजूद पश्चिमी देशों की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत शांत रही। रिपोर्ट के अनुसार, इन चुनावों में विपक्षी दलों ने पाकिस्तानी अधिकारियों पर चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप के आरोप लगाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह केवल किसी एक आरोप का मामला नहीं है, बल्कि ऐसे आरोपों का एक दोहराया जाने वाला पैटर्न है, जिसके कारण कई मतदाताओं को लगता है कि मतदान से पहले ही चुनाव परिणाम तय कर दिए जाते हैं।

पाकिस्तान को लेकर क्यों अलग है पश्चिमी देशों का रवैयाः रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण एशिया के अन्य देशों में चुनावी अनियमितताओं पर पश्चिमी देश अक्सर खुलकर प्रतिक्रिया देते हैं, जबकि पाकिस्तान के मामले में दशकों से अलग रवैया देखने को मिलता रहा है। इटली के राजनीतिक सलाहकार, लेखक और भू-राजनीतिक विशेषज्ञ सर्जियो रेस्टेली ने टाइम्स ऑफ इस्राइल में प्रकाशित अपने लेख में लिखा, 'इसका परिणाम यह होता है कि पाकिस्तान को जवाबदेही से एक तरह की रणनीतिक छूट मिल जाती है। समय के साथ यह छूट एक आदत बन जाती है। ' उन्होंने लिखा कि शीत युद्ध के दौर में भी पाकिस्तान के साथ इसी तरह का व्यवहार हुआ। बाद में 11 सितंबर के हमलों के बाद आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में पाकिस्तान की रणनीतिक भूमिका के कारण लोकतांत्रिक जवाबदेही का मुद्दा पीछे चला गया।

पाकिस्तान में क्यों लोकतांत्रिक संस्थाओं पर बढ़ा दबावःरेस्टेली ने दावा किया कि मौजूदा पाकिस्तान भी उसी ढांचे में फिट बैठता है। उन्होंने लिखा, 'इमरान खान जेल में हैं। अदालतें अपने फैसलों को लेकर पहले से अधिक सतर्क हो गई हैं। पिछले चुनावों के बाद मीडिया का दायरा सिमटा है और राजनीतिक विपक्ष पुलिस के दबाव में काम कर रहा है।' उनके अनुसार, ऐसे माहौल में पीओके में विवादित चुनाव कोई असामान्य घटना नहीं, बल्कि उसी व्यवस्था का हिस्सा हैं।

चुनावी वैधता पर उठते हैं सवालः रेस्टेली ने कहा कि पीओके में राजनीतिक वैधता कमजोर होने से इस्लामाबाद के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दावा करना और कठिन हो जाता है कि कश्मीर मुद्दे पर उसका पक्ष लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व पर आधारित है।

सिंधु जल संधि पर भारत की दो टूकः राजदूत क्वात्रा बोले- पाकिस्तान ने खुद गिराई अपनी साख, पहले खत्म करे आतंकवाद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने कहा कि सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) सद्भावना और मित्रता की भावना के साथ की गई थी, लेकिन पाकिस्तान ने पिछले कई दशकों में इस भावना को लगातार कमजोर किया। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा संधि को स्थगित रखने का फैसला केवल उस वास्तविकता को स्वीकार करना है, जिसे पाकिस्तान के व्यवहार ने पहले ही नष्ट कर दिया था। क्वात्रा ने यह बात न्यूजवीक पत्रिका में प्रकाशित अपने लेख में कही। उनका यह लेख ऐसे समय आया है, जब हाल ही में पाकिस्तान ने भारत के 23 अप्रैल 2025 को सिंधु जल संधि को स्थगित रखने के फैसले के विरोध में एक सम्मेलन आयोजित किया था। भारत ने यह फैसला जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के एक दिन बाद लिया था, जिसमें पाकिस्तान से

प्रशिक्षित आतंकियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी।

'संधि की प्रस्तावना में सद्भावना और मित्रता की बात': क्वात्रा ने लिखा, 'यह याद रखना चाहिए कि संधि की प्रस्तावना में कहा गया है कि इसे 'सद्भावना और मित्रता की भावना' से संपन्न किया गया था। पाकिस्तान ने आधी सदी तक इस सद्भावना और मित्रता को खत्म करने का काम किया। संधि को स्थगित रखने का फैसला केवल उसी स्थिति को स्वीकार करता है, जिसे पाकिस्तान के आचरण ने पहले ही नष्ट कर दिया था। '

'पाकिस्तान ने युद्ध और आतंकवाद का रास्ता चुना': 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई सिंधु जल संधि के तहत भारत को सिंधु बेसिन की छह नदियों में से तीन पर नियंत्रण मिला, जिनमें कुल जल का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा बहता है। वहीं, पाकिस्तान को उन नदियों पर अधिकार मिला, जिनमें करीब 80 प्रतिशत पानी बहता है। क्वात्रा ने कहा कि इस असंतुलन के कारण भारत के कई क्षेत्रों का विकास लंबे समय तक प्रभावित रहा, फिर भी भारत ने संधि का सम्मान किया।

उन्होंने कहा कि इसके जवाब में पाकिस्तान ने 1965, 1971 और 1999 में भारत के खिलाफ युद्ध छेड़े। इसके अलावा उसने सीमा पार आतंकवाद जारी रखा, जिसमें 2001 का संसद हमला, 2008 का मुंबई आतंकी हमला, 2016 के उरी और पठानकोट हमले, 2019 का पुलवामा हमला और 2025 का पहलगाम आतंकी हमला शामिल हैं।

'आतंकी ढांचा खत्म करे पाकिस्तान': क्वात्रा ने कहा कि अगर पाकिस्तान वास्तव में भारत के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर सहयोग चाहता है, तो उसे सबसे पहले वर्षों में खड़े किए गए आतंकी ढांचे को खत्म करना होगा। उन्होंने कहा कि संधि के तहत भारत द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं के मामले में पाकिस्तान ने लगातार बाधाएं खड़ी कीं और प्रशासनिक स्तर पर देरी की।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने तकनीकी बदलावों को ध्यान में रखते हुए संधि में संशोधन के भारत के प्रयासों का भी लगातार विरोध किया। इससे भारत अपनी जलविद्युत क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर सका।

'पाकिस्तान के रवैये से भारत का भरोसा टूटा': क्वात्रा ने कहा, 'धीरे-धीरे पाकिस्तान ने भारत का यह भरोसा खत्म कर दिया कि वह संधि के तहत अपने अधिकारों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकता है या वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप बेहतर व्यवस्था की उम्मीद कर सकता है।' उन्होंने कहा कि जो लोग भारत और पाकिस्तान के बीच फिर से बातचीत की वकालत करते हैं, वे या तो इतिहास से अनजान हैं या फिर यह मानते हैं कि बार-बार एक ही तरीका अपनाकर अलग परिणाम मिलने की उम्मीद करना उचित है। क्वात्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था,। 'आतंक और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते ।

सिद्धदात्री मिनरल्स की अनूठी पहल: पौधरोपण, निशुल्क स्वास्थ्य शिविर और जनसेवा कार्यक्रम से 460 लोगों की समस्याओं का हुआ निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के नेबूहा स्थित सिद्धदात्री मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड ने रविवार को सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत जनकल्याण और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित एक व्यापक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में पौधरोपण, निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, जरूरतमंदों को सामग्री वितरण और जनसुनवाई जैसे कई आयोजन किए गए इसमें जनप्रतिनिधियों प्रशासनिक अधिकारियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया कंपनी वर्ष 2019 से नेबूहा क्षेत्र में ग्रेनाइट खनन का कार्य कर रही है। वर्ष 2025 में स्थापित आधुनिक कटिंग एवं पॉलिशिंग यूनिट में सीधी, छतरपुर, पन्ना, सिंगरौली तथा छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से लाए गए ग्रेनाइट का प्रसंस्करण किया जाता है। कंपनी के अनुसार अब तक लगभग 230 घनमीटर ग्रेनाइट का उत्पादन किया जा चुका है कंपनी के डायरेक्टर पुष्पराज सिंह ने बताया कि वर्तमान में स्थानीय स्तर पर लगभग 70 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराया गया है। भविष्य में प्रदेश के 15 जिलों में अपने शोरूम एवं बिक्री केंद्र स्थापित कर करीब 1000 लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि नेबूहा में तैयार ग्रेनाइट की आपूर्ति नेपाल तक की जा चुकी है जिससे सीधी जिले के ग्रेनाइट उद्योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिल रही है कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधरोपण किया गया तथा 6000 नए पौधे लगाने का संकल्प लिया गया वहीं आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में लगभग 200 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर विशेषज्ञ चिकित्सकों ने परामर्श और आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराईं सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने 320 स्कूली बच्चों को स्कूल बैग, 100 जरूरतमंद लोगों को छाते तथा 120 परिवारों को मच्छरदानियां वितरित कीं इसके अलावा संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रहे 10 विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई गई कंपनी ने 10 मेधावी विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षा की कोचिंग का पूरा खर्च वहन करने की भी घोषणा की कार्यक्रम में धौहनी विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि सीधी का ग्रेनाइट पूरे प्रदेश की पहचान बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने राज्य सरकार से सरकारी भवनों और विकास परियोजनाओं में सीधी के ग्रेनाइट एवं टाइल्स के उपयोग को बढ़ावा देने की मांग की। उन्होंने कंपनी के डायरेक्टर पुष्पराज सिंह के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें विंध्य का शिल्पी' की संज्ञा दी इस अवसर पर कलेक्टर विकास मिश्रा ने जनसुनवाई कर लगभग 460 लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे ग्रामीणों ने कंपनी की इस पहल की सराहना करते हुए इसे रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। जनप्रतिनिधियों का मानना है कि उद्योग और सामाजिक दायित्व का यह संतुलित मॉडल जिले के समग्र विकास को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होगा।

4 अगस्त को मानस भवन में मनाई जाएगी पूर्व सांसद भीम सिंह पटेल की 67वीं जयंती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य क्षेत्र के बहुजन आंदोलन के प्रमुख विचारक एवं पूर्व सांसद यशाकायी भीम सिंह पटेल की 67वीं जयंती के अवसर पर 4 अगस्त को रीवा के मानस भवन में भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन क्रांतिकारी युवा परिषद सेवा समिति द्वारा किया जा रहा है। समारोह दोपहर 1:30 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों की सहभागिता रहेगी कार्यक्रम के संयोजक एवं आयोजक धर्मेंद्र पटेल ने बताया कि जयंती समारोह का उद्देश्य पूर्व सांसद भीम सिंह पटेल के सामाजिक, राजनीतिक और बहुजन समाज के उत्थान में दिए गए योगदान को याद करना तथा उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि विंध्य क्षेत्र में सामाजिक जागरूकता और जनहित के मुद्दों को लेकर भीम सिंह पटेल की भूमिका सदैव प्रेरणादायी रही है समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त कस्टमर रिलेशन मैनेजर एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मिलिंद वासनिक उपस्थित रहेंगे। वे अपने संबोधन में बहुजन आंदोलन, सामाजिक समरसता और पूर्व सांसद भीम सिंह पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालेंगे आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में रीवा सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों और देश के अन्य राज्यों से भीम सिंह पटेल के शुभचिंतक, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में समर्थक शामिल होंगे। समारोह के दौरान उनके जीवन संघर्ष, सामाजिक योगदान और जनसेवा से जुड़े प्रसंगों को भी साझा किया जाएगा क्रांतिकारी युवा परिषद सेवा समिति के पदाधिकारियों ने जिले के नागरिकों, युवाओं, सामाजिक संगठनों एवं बहुजन समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर पूर्व सांसद भीम सिंह पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया है।

लउआ नदी पुल से नीचे गिरा कोयला लदा ट्रेलर, चालक घायल; तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के रजमिलान रोड स्थित लउआ नदी पुल पर रविवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया कोयला लदा एक तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे जा गिरा हादसे में ट्रेलर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रेलर एक निजी कंपनी के पावर प्लांट के लिए कोयला लेकर जा रहा था। लउआ नदी पुल पर पहुंचते ही चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा जिससे ट्रेलर पुल की रेलिंग तोड़कर नीचे जा गिरा। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई पुल से नीचे ट्रेलर गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को सूचना दी हादसे में चालक राजेश घायल हो गया पुलिस और स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद चालक को ट्रेलर से बाहर निकाला और तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा। चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज जारी है दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए रजमिलान रोड पर यातायात प्रभावित रहा पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त ट्रेलर को हटाने की कार्रवाई शुरू की, जिसके बाद यातायात धीरे-धीरे सामान्य कराया गया बधौरा चौकी प्रभारी संदीप नामदेव ने बताया कि रविवार सुबह लउआ नदी पुल पर कोयला लदा ट्रेलर दुर्घटनाग्रस्त होकर नीचे गिर गया प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार के कारण वाहन के अनियंत्रित होने की आशंका जताई जा रही है हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है दुर्घटना के तकनीकी पहलुओं वाहन की स्थिति तथा अन्य संभावित कारणों की भी जांच की जा रही है स्थानीय लोगों ने पुल पर सुरक्षा उपायों को और मजबूत करने तथा भारी वाहनों की गति पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की है ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम से ग्राम विकास समितियों को मिली नई ऊर्जा

कृषि, नशा मुक्ति, वित्तीय प्रबंधन एवं सामाजिक नेतृत्व पर मिला व्यावहारिक प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् द्वारा ग्राम स्तर पर जनभागीदारी आधारित विकास को सशक्त बनाने की दिशा में विकासखण्ड सीधी की ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के लिए कृषि विज्ञान केंद्र सभागार, सीधी में प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय क्षमता विकास प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में समिति पदाधिकारियों एवं सदस्यों को सामाजिक नेतृत्व, संगठनात्मक प्रबंधन, कृषि, नशा मुक्ति, दस्तावेजीकरण एवं वित्तीय अनुशासन जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने व्यवहारिक जानकारी प्रदान की कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक एस.एस. गौतम ने उन्नत कृषि तकनीकों, धान, दलहन एवं सब्जी फसलों की वैज्ञानिक खेती, संतुलित पोषण प्रबंधन तथा कम लागत में अधिक उत्पादन के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आधुनिक एवं वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर कृषि को अधिक लाभकारी बनाने का आह्वान किया जमोड़ी थाना के एएसआई गोविन्द लाल ने नशा मुक्ति पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के साथ पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, रोजगार एवं समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने तथा ग्राम स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाने का आग्रह किया जिला समन्वयक मुकेश कुमार गौर ने कहा कि प्रस्फुटन समितियाँ ग्रामीण विकास की मजबूत सामाजिक इकाई हैं उन्होंने कहा कि जनभागीदारी, स्वैच्छिक सेवा और सामुदायिक नेतृत्व के माध्यम से ही आत्मनिर्भर एवं जागरूक ग्रामों का निर्माण संभव है नियमित बैठकें, सामाजिक गतिविधियाँ तथा जनहित के कार्य समितियों की प्रभावशीलता को नई पहचान देते हैं कासखण्ड समन्वयक अनिल पाठक ने स्वैच्छिकता, स्वावलंबन एवं दस्तावेजीकरण पर प्रशिक्षण देते हुए कहा कि पारदर्शी कार्यप्रणाली और सुव्यवस्थित अभिलेख किसी भी संस्था की विश्वसनीयता का आधार होते हैं समिति की प्रत्येक गतिविधि का नियमित एवं व्यवस्थित दस्तावेजीकरण उसकी पहचान और भविष्य की उपलब्धियों का प्रमाण बनता है रामजी तिवारी ने रोकड़ बही संधारण, आय-व्यय लेखांकन, वित्तीय अनुशासन तथा अभिलेख प्रबंधन की व्यावहारिक जानकारी देते हुए समितियों से वित्तीय पारदर्शिता बनाए रखने का आग्रह किया प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। इस अवसर पर आगामी 12 अगस्त को आयोजित होने वाले स्वैच्छिकता पर्व समापन, नवांकुर सखी हरियाली यात्रा, तिरंगा यात्रा, सीएमसीएलडीपी नवीन सत्र प्रवेश, आदर्श ग्राम अभियान, सामाजिक जागरूकता, नशा मुक्ति अभियान, दस्तक अभियान, कैच द रेन तथा आत्मनिर्भर ग्राम निर्माण जैसे कार्यक्रमों को जनसहभागिता के साथ सफल बनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं कौशल का उपयोग प्रस्फुटन समितियाँ अपने-अपने ग्रामों में सामाजिक विकास, जनजागरूकता और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में करेंगी।

अब विकासखंड स्तर पर भी होगी जनसुनवाई, कलेक्टर स्वयं सुनेंगे नागरिकों की समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने जनसुनवाई व्यवस्था का विस्तार विकासखंड स्तर तक करने का निर्णय लिया है कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा जारी आदेश के अनुसार अब उपखंड स्तर पर भी नियमित जनसुनवाई आयोजित की जाएगी जिसमें कलेक्टर स्वयं उपस्थित होकर नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे जारी आदेश में बताया गया है कि मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय भोपाल के 30 जून 2026 के निर्देशों के अनुरूप सुशासन को और अधिक प्रभावी बनाने तथा आम नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधे संवाद को मजबूत करने के लिए यह व्यवस्था लागू की जा रही है।

प्रतिबंधित सोन घड़ियाल अभयारण्य में ट्रैक्टर-स्कॉर्पियो से स्टंट, वायरल वीडियो से वन विभाग पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र अंतर्गत भवरसेन स्थित सोन नदी के प्रतिबंधित क्षेत्र में ट्रैक्टर और स्कॉर्पियो से स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। वीडियो में कई युवक जिनमें कुछ नाबालिग होने का भी दावा किया जा रहा है नदी के रेतीले हिस्से में तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाते और स्टंट करते दिखाई दे रहे हैं बताया जा रहा है कि यह वीडियो रविवार सुबह का है और इसे रवि बैस नामक फेसबुक आईडी से साझा किया गया जिस स्थान का वीडियो सामने आया है वह सोन घड़ियाल अभयारण्य के प्रतिबंधित क्षेत्र में आता है वन विभाग ने इस इलाके को जलीय जीवों के संरक्षण के लिए संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया है जहां वाहनों की आवाजाही पर रोक है इस क्षेत्र में करीब 18 मगर और घड़ियाल छोड़े गए हैं अगस्त और सितंबर का समय मगर घड़ियाल, कछुए और अन्य जलीय जीवों के प्रजनन एवं अंडे देने का मौसम माना जाता है ऐसे में प्रतिबंधित क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही से उनके प्राकृतिक आवास और प्रजनन प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है स्थानीय निवासी शिवकुमार मिश्र का आरोप है कि प्रतिबंध के बावजूद रोजाना बड़ी संख्या में लोग नदी क्षेत्र में पहुंचते हैं और खुलेआम वाहन चलाते हैं उनका कहना है कि कई बार वन विभाग को इसकी जानकारी देने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई जिससे संरक्षित वन्यजीवों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है मामले में जब सोन घड़ियाल अभयारण्य के रेंजर अशोक अलावा से संपर्क किया गया तो उन्होंने फोन पर कहा मैं अभी व्यस्त हूं, मैं इन सब कामों को नहीं देख सकता हूं मेरे पास सिर्फ इतना ही काम नहीं है रेंजर के इस बयान के बाद वन विभाग की कार्यप्रणाली और प्रतिबंधित क्षेत्र की निगरानी व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं फिलहाल वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है हालांकि स्थानीय लोगों ने प्रशासन और वन विभाग से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा संरक्षित क्षेत्र में सख्ती से प्रतिबंध लागू कराने की मांग की है।

वनसुकली रोड पर बस और बोलेरो की आमने सामने टक्कर, छह घायल दो की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत सीधी-वनसुकली मार्ग पर रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक तेज रफ्तार यात्री बस और बोलेरो वाहन की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई हादसे में बोलेरो में सवार छह लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही ब्यौहारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया दुर्घटना के बाद वाहन में सवार कुछ लोग अंदर फंस गए, जिन्हें स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से सभी घायलों को तत्काल सरकारी अस्पताल पहुंचाया प्राथमिक उपचार के बाद दो गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए शहडोल जिला अस्पताल रेफर किया गया हैअन्य घायलों का उपचार स्थानीय अस्पताल में जारी है प्रारंभिक जांच के अनुसार बोलेरो नगनौड़ी की ओर जा रही थी जबकि बस ब्यौहारी की दिशा से आ रही थी सीधी-वनसुकली मार्ग पर दोनों वाहन आमने-सामने टकरा गए पुलिस का मानना है कि तेज रफ्तार दुर्घटना का प्रमुख कारण हो सकती है हालांकि वास्तविक कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चल सकेगा दुर्घटना के कारण मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए गए हैं तथा प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

ओवरब्रिज निर्माण के लिए तीन घंटे का रेलवे ब्लॉक, अमलाई स्टेशन पर एक घंटे से अधिक रुकी शटल ट्रेन यात्रियों को हुई परेशानीं

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। अमलाई और बुढार रेलवे स्टेशन के बीच निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के तहत रविवार को ओपन वेब गर्डर लॉन्चिंग का महत्वपूर्ण कार्य किया गया। इस दौरान रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से लगभग तीन घंटे का ट्रैफिक ब्लॉक लिया। ब्लॉक के चलते चिरमिरी-शहडोल-कटनी शटल ट्रेन अमलाई स्टेशन पर एक घंटे से अधिक समय तक खड़ी रही, जिससे यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ओवरब्रिज निर्माण के दौरान ओपन वेब गर्डर को रेलवे ट्रैक के ऊपर स्थापित करना अत्यंत तकनीकी और जोखिमपूर्ण कार्य था। यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संबंधित रेलखंड पर अस्थायी रूप से ट्रेनों का संचालन रोका गया। इसी कारण चिरमिरी से शहडोल होते हुए कटनी जाने वाली शटल ट्रेन को अमलाई स्टेशन पर रोकना पड़ा। तकनीकी कार्य पूरा होने के बाद ट्रेन करीब एक घंटे की देरी से अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई ट्रेन के लंबे समय तक स्टेशन पर रुके रहने से यात्रियों में बेचैनी देखी गई। सबसे अधिक परेशानी इलाज के लिए शहडोल जा रहे मरीजों, उनके परिजनों तथा जरूरी कार्य से यात्रा कर रहे लोगों को हुई। कई यात्रियों ने बताया कि यदि रेलवे प्रशासन पहले से ट्रेन के विलंब की सूचना देता, तो वे वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था कर सकते थे इस दौरान अमलाई स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की भीड़ लगी रही और लोग ट्रेन के रवाना होने का इंतजार करते रहे रेलवे अधिकारियों ने बताया कि गर्डर लॉन्चिंग के लिए लगभग तीन घंटे का ब्लॉक प्रस्तावित था, लेकिन इंजीनियरिंग टीम ने बेहतर समन्वय और तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए यह कार्य निर्धारित समय से पहले, करीब दो घंटे 40 मिनट में सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। इसके तुरंत बाद रेल यातायात बहाल कर दिया गया। निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा कारणों से कुछ समय के लिए सड़क यातायात भी प्रभावित रहा रेलवे प्रशासन का कहना है कि ओपन वेब गर्डर की सफल लॉन्चिंग ओवरब्रिज परियोजना का एक अहम चरण है। इसके पूरा होने से निर्माण कार्य में तेजी आएगी और परियोजना समय पर पूरी होने की संभावना बढ़ेगी ओवरब्रिज बनने के बाद रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलेगी। साथ ही सड़क और रेल यातायात दोनों अधिक सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित हो सकेंगे। रेलवे ने भविष्य में भी निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने की बात कही है।

बड़ागांव में दो बाइकों की भिड़ंत, दो युवक गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के अमिलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ागांव में रविवार शाम करीब 4 बजे दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एम्बुलेंस सेवा को सूचना दी। जानकारी मिलते ही 108 बीएलएस एम्बुलेंस के मेडिकल स्टाफ शिव द्विवेदी और पायलट राजा सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को प्राथमिक उपचार दिया और उन्हें तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमिलिया पहुंचाया घायलों की पहचान ग्राम बल्हया निवासी आकाश कुमार पटेल (18) पिता राजेंद्र प्रसाद पटेल और विनय पटेल (19) पिता लक्ष्मण पटेल के रूप में हुई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. रामभूषण पटेल ने दोनों घायलों का उपचार शुरू किया 108 एम्बुलेंस के मेडिकल स्टाफ शिव द्विवेदी के अनुसार, दोनों बाइक तेज गति से चल रही थीं। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से दोनों वाहनों की जोरदार टक्कर हो गई हादसे में युवकों के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं फिलहाल दोनों को चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों की मदद की समय पर एम्बुलेंस पहुंचने से दोनों युवकों को तत्काल उपचार मिल सका पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि तेज रफ्तार से वाहन न चलाएं और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें, ताकि इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

ड्रग्स की खेप पहुंचाने से पहले रोकें ड्रोन

संपादकीय

भारत के संप्रभु राष्ट्र बनने के बाद से ही पाकिस्तान देश व भारतीय समाज को क्षति पहुंचाने के तमाम षड्यंत्र रचता और उन्हें अंजाम देने की हर कोशिश करता रहा है। शक्तिशाली सेना का मुकाबला न कर पाने पर वह छद्म युद्ध, आतंकवाद व नशे के जरिये भारत को चोट पहुंचाने की साजिश करता है। जब से पाक से लगती सीमा पर कड़ी सुरक्षा बढ़ी और पाक के संस्थागत सहयोग से सक्रिय तस्करों की आवाजाही बाधित हुई, उसने तकनीक व ड्रोन की मदद से नशे, नकली करेंसी व हथियार भेजने की साजिश को अंजाम देने शुरू किया। ड्रोन के जरिये लगातार नशे-हथियारों की तस्करी से पैदा खतरे के मद्देनजर, पाक सीमा से ड्रग्स व हथियार लाने वाले ड्रोनों को रोकने के लिये पंजाब में नई पहल हुई है। हवाई चेक प्वाइंट या 'हवाई नाके, लगाने का यह फैसला,सुरक्षा के बदलते खतरे से निपटने का एक नया और असरदार तरीका साबित हो सकता है। निस्संदेह, तस्करी करने वाले अपराधी गिरोहों ने, कानून लागू करने वाली एजेंसियों से ज्यादा तेजी से टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है। पाक द्वारा संस्थागत रूप से पोषित तस्करों की जगह जीपीएस-निर्देशित ड्रोनों का इस्तेमाल शुरू किया गया। ये ड्रोन भारतीय सीमा में निर्धारित जगहों में बहुत भीतर तक हेरोइन, हथियार और गोला-बारूद गिराने में सक्षम हैं। आसमान में उड़ने वाले दुश्मन के खिलाफ सामान्य चेक प्वाइंट कुछ नहीं कर पाते। यह सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस के लिये बड़ी चुनौती है। यही वजह है कि आज पंजाब ड्रोन के जरिये होने वाली नशीले पदार्थों की तस्करी का मुख्य केंद्र बन गया है। देश में ज्यादातर ड्रोन तस्करी की घटनाएं पाक से लगते पंजाब के सीमावर्ती जिलों में हुई हैं। दरअसल, ड्रग्स का कारोबार अब सिर्फ कानून-व्यवस्था की समस्या मात्र नहीं रह गया। आज यह सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल है। जिसके प्रकोप से असंख्य परिवार बर्बाद हो गए हैं।

यह एक बड़ी हकीकत है कि नशे का कारोबार राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये भी एक बड़ा खतरा है। वास्तव में नशा तस्कर इन्हीं रास्तों का प्रयोग राष्ट्रविरोधी ताकतों को हथियार पहुंचाने और आतंकी नेटवर्क को फंडिग के लिये करते हैं। दरअसल, हवाई नाके का विचार, सिर्फ आपराधिक घटना के बाद होने वाली पुलिस कार्रवाई से हटकर, अपराध के होने से पहले होने वाली पुलिस कार्रवाई होगी। निश्चय ही यह स्वागत योग्य बदलाव है। अब सुरक्षा एजेंसियों व पुलिस की कोशिश होगी कि ड्रग्स की खेप जमीन पर पहुंचाने के बाद उसे बरामद करने के प्रयास करने की बजाय, पहले ही ड्रोनों की निगरानी की जाए। जिससे समय रहते ड्रोनों का पता लगाकर, उनके उड़ने के रास्ते को ट्रैक किया जा सके। साथ ही सामान गिराने की जगहों की पहचान के बाद नशीले पदार्थों व हथियारों की आपूर्ति करने के लिये इंतजार कर रहे स्थानीय लोगों को पकड़ा जा सके। सही मायने में खुफिया जानकारी,एंटी-ड्रोन सिस्टम तथा पंजाब पुलिस, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स व केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के साथ यह रणनीति तस्करों पर शिकंजा कसने में मददगार साबित हो सकती है। यह भी हकीकत है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तस्करी करने वाले गिरोह अपना नेटवर्क समय के साथ नई तकनीकों के जरिये बदलते रहते हैं। जिसके लिये वे बड़े ड्रोन, एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन और लगातार बदलती रणनीतियों का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए नई तकनीक के साथ-साथ लगातार खुफिया जानकारी जुटाने तथा तस्करी करने वाले गिरोहों को खत्म करने के लिये निरंतर मजबूत फाइनेंशियल जांच जरूरी है।

क्या अब भारत की आरक्षण व्यवस्था के व्यापक पुनर्मूल्यांकन का समय आ गया है...?

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

भारत का संविधान समानता, सामाजिक न्याय और अवसरों की समता का आदर्श प्रस्तुत करता है। इसी उद्देश्य से स्वतंत्रता के बाद अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा बाद में अन्य पिछड़ा वर्ग सहित विभिन्न वर्गों के लिए आरक्षण व्यवस्था लागू की गई। उस समय इसका उद्देश्य उन समुदायों को शिक्षा, रोजगार और शासन-प्रशासन में अवसर प्रदान करना था जो सदियों से सामाजिक और शैक्षिक रूप से वंचित रहे थे।

समय के साथ देश बदला, समाज बदला और अनेक आरक्षित वर्गों के परिवार शिक्षा, प्रशासन, न्यायपालिका, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, राजनीति और व्यापार जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति कर चुके हैं। ऐसे में एक प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है - क्या वर्तमान स्वरूप में आरक्षण व्यवस्था का समय-समय पर पुनर्मूल्यांकन होना चाहिए?

यह प्रश्न किसी वर्ग का विरोध नहीं है, बल्कि सार्वजनिक नीति की समीक्षा का प्रश्न है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नीतियाँ स्थायी नहीं होतीं; बदलती परिस्थितियों के अनुरूप उनका परीक्षण और आवश्यक संशोधन लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रक्रिया है। आज समाज के एक वर्ग का यह मत सामने आता है कि कई ऐसे परिवार, जो वर्षों से आरक्षण का लाभ लेकर आर्थिक और सामाजिक रूप से अत्यंत सक्षम हो चुके हैं, उनकी अगली पीढ़ियाँ भी उसी लाभ को प्राप्त कर रही हैं। दूसरी ओर अनेक आर्थिक रूप से कमजोर परिवार, जो आरक्षण के दायरे में नहीं आते, सीमित संसाधनों के बावजूद प्रतिस्पर्धा में पीछे रह जाते हैं। इस स्थिति ने अवसरों की समानता पर नई बहस को जन्म दिया है।

यह भी सत्य है कि डॉक्टर, इंजीनियर, न्यायिक अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी और अन्य जिम्मेदार पदों पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति से समाज उच्चतम स्तर की दक्षता और उत्तरदायित्व की अपेक्षा करता है। इसलिए चयन प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जो सामाजिक न्याय और उत्कृष्टता, दोनों के बीच संतुलन बनाए रखे। आज के वह वैविध्य और व्यापक आधुनिक परिवेश यह भी पूरी शिद्दत से देखने में आ रहा है कि दक्ष और योग्य व्यक्ति जिम्मेदार और अहम पद पर नहीं होने से गहरे नकारात्मक स्थिति उत्पन्न हो रहें है। यह ऐसा संकेत है जो हमें सावधान करने के लिए पर्याप्त है।

मेरे विचार से अब आवश्यकता आरक्षण को केवल समाप्त करने या बनाए रखने की बहस तक सीमित रहने की नहीं है, बल्कि उसकी व्यापक समीक्षा की है। यह विचार किया जा सकता है कि जिन परिवारों ने लंबे समय से आरक्षण का लाभ लेकर पर्याप्त सामाजिक और आर्थिक प्रगति कर ली है, क्या उन्हें उसी रूप में निरंतर लाभ मिलना चाहिए, या फिर नीति का लाभ उन परिवारों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचना चाहिए जो आज भी वास्तविक रूप से वंचित हैं।

साथ ही, आर्थिक रूप से कमजोर नागरिक, महिलाएँ, दिव्यांगजन, भूतपूर्व सैनिक, अनाथ, अत्यंत पिछड़े क्षेत्रों में रहने वाले परिवार तथा अन्य वास्तविक जरूरतमंद वर्गों को प्राथमिकता देने जैसे विकल्पों पर भी गंभीर राष्ट्रीय विमर्श होना चाहिए। इससे सामाजिक न्याय का उद्देश्य और अधिक व्यापक रूप में साकार हो सकता है।

यह भी उतना ही आवश्यक है कि इस विषय पर किसी भी प्रकार की चर्चा संवैधानिक मर्यादा, सामाजिक सौहार्द और परस्पर सम्मान के साथ हो। किसी भी वर्ग की गरिमा को आहत किए बिना नीति की समीक्षा करना ही लोकतंत्र की शक्ति है।

भारत का भविष्य ऐसी व्यवस्था में निहित है जहाँ सामाजिक न्याय और योग्यता दोनों एक-दूसरे के पूरक बनें, प्रतिस्पर्धी नहीं। आवश्यकता इस बात की है कि नीति का लाभ वास्तव में उन तक पहुँचे जिन्हें उसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, साथ ही सभी नागरिकों को अपनी प्रतिभा और परिश्रम के आधार पर आगे बढ़ने का समान अवसर मिले। 'संविधान की आत्मा सामाजिक न्याय है और लोकतंत्र की आत्मा समान अवसर। यदि समय के साथ परिस्थितियाँ बदलती हैं तो नीतियों की समीक्षा भी लोकतांत्रिक परंपरा का ही हिस्सा होती है।

परंपरागत राजनीति के लिए बड़ा सबक

राजकुमार सिंह

इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते' के दंभ को तोड़ने वाले काकरोच जनता पार्टी के आंदोलन पर आत्ममुग्ध विपक्ष को नहीं भूलना चाहिए कि दरअसल यह परंपरागत राजनीति के लिए बड़ा और कड़ा सबक है। देश में शिक्षा की बदहाली किसी से छिपी नहीं, पर सरकारों ने वांछित कदम नहीं उठाए। इसीलिए उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में स्कूली शिक्षा को लगी नकल और पेपर लीक की बीमारी ने उच्च शिक्षा को भी जकड़ लिया। शिक्षा माफिया की चर्चा तब भी होती थी, अब भी हो रही है। यानी इस लंबी अवधि में सत्ता परिवर्तन ही होते रहे, व्यवस्था नहीं बदली।

कहने की जरूरत नहीं कि इस खेल में खलनायक राजनीतिक व्यवस्था ही है, जो देश के भविष्य से जुड़े शिक्षा सरीखे मुद्दे को भी चुनावी औजार की तरह इस्तेमाल करती रही। राजस्थान समेत कुछ राज्यों में पेपर लीक और सरकारी भर्तियों में धांधली भी बड़ा चुनावी मुद्दा बना, पर क्या सत्ता परिवर्तन के बाद सब कुछ ठीक हो गया? दरअसल उसकी कोशिश ही नहीं की गई। सिर्फ चेहरे बदलने से सत्ता ही बदलती है, व्यवस्था बदलने के लिए तो चाल और चरित्र भी बदलने पड़ते हैं। राजनीतिक नेतृत्व बदल जाने के बाद भी नौकरशाही और निहित स्वार्थ तो पुराने ही रहते हैं।

पहले पेपर लीक से भाजपा चिंतित नजर आती थी, अब कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दल नजर आ रहे हैं। कांग्रेस अपने शासनकाल के पेपर लीक की जिम्मेदारियों से मुंह चुराते हुए भाजपा राज के पेपर लीक पर सवाल पूछती है तो भाजपा जवाब में उसे उसके राज के पेपर लीक गिना देती है। जाहिर है उनके लिए यह एक-दूसरे के विरुद्ध राजनीतिक हथियार भर है, देश का भविष्य माने जाने वाले युवाओं के भविष्य से सरोकार नहीं।

इसीलिए ये दल तो छोड़िए, अक्सर इनके छात्र संगठन भी ऐसे मुद्दों को लेकर सड़क पर नहीं उतरते। जिस नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर इतना बड़ा आंदोलन खड़ा हो गया कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा, वह 2024 में भी लीक हो चुका था। सरकार ने तब भी कुछ कदम उठाए थे, पर पेपर लीक तो नहीं रुका? अब उठाए जा रहे कदमों के वांछित परिणामों के प्रति भी आश्वस्त हो पाना आसान नहीं, क्योंकि फास्ट ट्रैक कोर्ट की पहली सुनवाई में सीबीआइ वकील की अनुपस्थिति ने ही उसकी विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगा दिया।

प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली को विश्वसनीय बनाने के लिए ही सरकार ने राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) बनाई थी, पर सबसे ज्यादा सवाल उसके ढांचे और कार्यप्रणाली को लेकर ही उठ रहे हैं। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे भर से सब कुछ ठीक हो जाएगा, ऐसी खुशफहमी किसी को नहीं होनी चाहिए, लेकिन शिक्षा मंत्रालय के मुखिया के रूप में पेपर लीक के लिए उनकी ही राजनीतिक और नैतिक जिम्मेदारी सबसे ज्यादा बनती थी।

अगर आंदोलन के दबाव के बजाय नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए वे इस्तीफा देते तो उनकी, सरकार की और भाजपा की भी साख बढ़ती। पिछले 12 साल में पेपर लीक की अनेक घटनाएं हुईं, पर उसके छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद या युवा संगठन भारतीय जनता युवा मोर्चा ने युवाओं के भविष्य की चिंता करते हुए सड़क पर उतरना तो दूर, सरकार से सवाल करने तक की जहमत नहीं उठाई।

ऐसा ही आचरण संप्रग शासनकाल में उसके घटक दलों का रहा। अगर युवाओं और छात्रों के नाम पर बनाए गए संगठन भी दलगत राजनीति और चुनावी प्रबंधन के औजार भर बनकर रह जाएंगे तो उससे उत्पन्न शून्य कोई तो भरेगा ही। पेपर लीक आंदोलन पर सवार होकर अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश सभी विपक्षी दल करते नजर आए, पर इससे यह सच नहीं छिप जाता कि सड़क पर उतरने की पहल उस संगठन को करनी पड़ी, जो कुछ समय पहले ही विदेश में इंटरनेट मीडिया पर बनाया गया था।

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी के प्रतिक्रियास्वरूप बनी सीजेपी का पेपर लीक के विरुद्ध जंतर-मंतर से शुरू होकर देश भर में फैल गया आंदोलन उस शून्य को भरने की कोशिश भी साबित हो सकती है। राजनीतिक दल और उनके छात्र एवं युवा संगठन अगर पेपर लीक जैसे मुद्दों पर मुखर और सक्रिय रहे होते तो रोजगार के लिए संघर्ष में जुटे युवाओं से लेकर अन्य लोगों को सड़कों पर नहीं उतरना पड़ता। बिना किसी संगठनात्मक ढांचे के चंद दिनों में इतना बड़ा और व्यापक आंदोलन खड़ा हो जाना परंपरागत राजनीति की प्रासंगिकता पर भी बड़ा प्रश्नचिह्न है, जो सत्ता पाने और उसे बचाए रखने तक सीमित होकर रह गई है। बेशक इस आंदोलन में वामपंथी विचारों वाले संगठनों की छाप साफ दिखी, पर उनके लिए मैदान तो दक्षिणपंथी, मध्यमार्गी विचारधारा ने ही छोड़ा।

असामाजिक तत्वों से किसी समझदार आदमी की सहानुभूति नहीं हो सकती, पर उन्हें पहचान कर रोकने की सामर्थ्य निश्चय ही आंदोलनकारियों से ज्यादा पुलिस के पास थी। हां, परंपरागत भारतीय संस्कृति के मद्देनजर आंदोलन के नारों और भाषणों की भाषा अवश्य चिंताजनक है, पर वही भाषा तो हमारे युवा ओटीटी और डिजिटल मीडिया से सीख रहे हैं, जिसकी परवाह न समाज को है और न ही सरकार को। इसलिए आप सहमत हों या असहमत, सीजेपी आंदोलन सभी के लिए आत्मावलोकन का मौका भी है।

जल कुप्रबंधन के घातक परिणाम

दीपक कोहली।

भारत में मानसून के दौरान बाढ़ और सूखे की विरोधाभासी स्थिति जल कुप्रबंधन का परिणाम है, जहां पर्याप्त वर्षा जल को सहेजने के बजाय बहा दिया जाता है। मानसून आते ही देश के मानचित्र पर दो बेहद विरोधी और दर्दनाक तस्वीरें एक साथ उभरती हैं। उत्तर और पूर्वोत्तर के मैदानी एवं पहाड़ी इलाकों में उफनती नदियां, बहते मकान, जलमग्न खेत और राहत शिविरों में अपनी जिंदगी की भीख मांगते बेबस लोग दिखाई देते हैं, जबकि उसी समय देश के मध्य और दक्षिणी भागों के भूभाग सूखे की चपेट में होते हैं, जहां किसान दरकती मिट्टी को देखकर निराश होता है और महिलाएं कई किमी पैदल चलकर मटके में पानी ढोने को मजबूर होती हैं।

इस विडंबना का सबसे दुखद पहलू यह है कि भारत को प्रकृति से उपहारस्वरूप औसतन हर साल पर्याप्त मात्रा में वर्षा जल प्राप्त होता है, लेकिन हमारी नासमझी और आधुनिकता के अंधेपन ने इस वरदान को भी एक अभिशाप में बदल दिया है। आसमान से बरसने वाली यह बहुमूल्य संपदा जब धरती पर गिरती है, तो हम इसे सहेजने के बजाय जल्द से जल्द बहा देने की होड़ में लग जाते हैं।

कंक्रीट के बनते जंगलों ने जमीन की सोखने की प्राकृतिक क्षमता को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। सड़कें, फुटपाथ और पक्के आंगन पानी को जमीन के भीतर जाने से रोकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बारिश का पानी नालों में मिलकर दूषित हो जाता है और नदियों के रास्ते बहकर अंततः समुद्र में विलीन हो जाता है।

एक अनुमान के अनुसार हम अपने वार्षिक वर्षा जल का मात्र दस से पंद्रह प्रतिशत हिस्सा ही संचित कर पाते हैं। यदि इस विशाल जलराशि का एक छोटा सा हिस्सा भी सही ढंग से रोक लिया जाए तो देश के किसी भी कोने को न तो बाढ़ का खौफ सताएगा और न ही सूखे की मार झेलनी पड़ेगी। जब धरातल पर बहने वाला वर्षा जल हमारी लापरवाही के कारण व्यर्थ चला जाता है, तो हमारी निर्भरता जमीन के नीचे छिपे जल भंडार पर बढ़ती चली जाती है।

आज भारत दुनिया में भूजल का सबसे बड़ा उपभोक्ता बन चुका है, जहां अमेरिका और चीन के सम्मिलित उपयोग से भी अधिक पानी जमीन के पेट से निकाला जा रहा है। कृषि में अत्यधिक पानी चाहने वाली फसलों को बढ़ावा देने, अनियंत्रित शहरीकरण और उद्योगों की असीमित मांग को पूरा करने के लिए बोरवेल और सबमर्सिबल पंपों के जरिये पाताल तक गहराई नापी जा रही है। इसके कई जिले 'डार्क जोन' में तब्दील हो चुके हैं, जहां जल स्तर इतना नीचे गिर चुका है कि अब कुएं और सूख चुके हैं।

भूजल के अंधाधुंध दोहन से भी बड़ी और भयानक समस्या है इसका तेजी से होता प्रदूषण। जो पानी जमीन के नीचे बचा भी है, वह अब शुद्ध नहीं रह गया है। कृषि में अंधाधुंध इस्तेमाल होने वाले रासायनिक उर्वरक और कीटनाशक बारिश के पानी के साथ रिसकर भूजल में मिल रहे हैं। इसके साथ ही औद्योगिक कचरा और सीवेज का गंदा पानी भी जमीन के भीतर जहर घोल रहा है। कुछ क्षेत्रों में आर्सेनिक युक्त पानी पीने से लोग कैंसर और त्वचा संबंधी गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं।

हमारे पूर्वज जानते थे कि बारिश के हर कतरे का क्या मूल्य है। यही कारण था कि देश के हर गांव और शहर में तालाब, पोखरे, बावड़ियां, जोहड़ और बंधे बनाए गए थे। ये पारंपरिक जल निकाय न केवल बारिश के पानी को सहेजते थे, बल्कि पूरे इलाके के भूजल स्तर को रीचार्ज करने का प्राकृतिक माध्यम भी हुआ करते थे, लेकिन आधुनिकता के नाम पर हमने इन तालाबों और कुओं को कचरा डालने का स्थान बना दिया या फिर उन पर अतिक्रमण करके बहुमंजिला इमारतें, माल और बस अड्डे खड़े कर दिए। जिन आर्द्रभूमियों और प्राकृतिक नम भूमियों को प्रकृति ने पानी को सोखने और शुद्ध करने के लिए बनाया था, उन्हें कंक्रीट से पाट दिया गया। यही वजह है कि जब थोड़ी सी भी तेज बारिश होती है, तो हमारे आधुनिक शहर जलभराव की चपेट में आ जाते हैं और नदियां तबाही मचाने लगती हैं।

यद्यपि वर्षा जल संचयन को नए भवनों के लिए अनिवार्य तो बना दिया गया है, लेकिन इसका पालन केवल कागजों पर एनओसी प्राप्त करने तक ही सीमित रहता है। जब तक जल संरक्षण को जनांदोलन का रूप नहीं दिया जाएगा, तब तक कोई भी नियम या कानून इस महासंकट को टाल नहीं सकता। इस विकराल समस्या का अंतिम और सबसे प्रभावी हल वैज्ञानिक जल-प्रबंधन और वर्षा जल संचयन में ही निहित है। हम छतों पर गिरने वाले वर्षा जल को पाइपों के माध्यम से रीचार्ज वेल या भूमिगत टैंकों तक पहुंचाना अनिवार्य करें, जिससे गिरता भूजल स्तर पुनः ऊपर उठ सके। इसके साथ ही 'कैच द रेन' जैसे सिद्धांतों को अपनाकर चेक डैम, खेत-तालाब और छोटे-छोटे बंधों का निर्माण बड़े पैमाने पर करना होगा। औद्योगिक और सीवेज के पानी का आधुनिक तकनीकों से शत-प्रतिशत शोधन कर दोबारा उपयोग के योग्य बनाना होगा, ताकि स्वच्छ जल स्रोतों पर दबाव घटे और भूजल में जहरीले तत्वों का रिसाव रोका जा सके।

हमें वर्षा जल संचयन को अपनी जीवनशैली और नगर नियोजन का अंग बनाना होगा। हर घर, हर इमारत और हर सार्वजनिक परिसर में वर्षा जल संचयन प्रणालियों को सक्रिय और क्रियाशील करना होगा।

एक अनोखी दास्तान : इतिहास, विरासत, संघर्ष और आत्मअन्वेषण का जीवंत संस्मरण

आत्मकथा तब साहित्य की उत्कृष्ट विधा बन जाती है जब वह किसी व्यक्ति विशेष के जीवन तक सीमित न रहकर अपने समय, समाज और इतिहास की सजीव गवाही प्रस्तुत करे। वरिष्ठ लेखक लव भार्गव की पुस्तक 'एक अनोखी दास्तान' ऐसी ही एक प्रभावशाली कृति है, जो पाठक को केवल लेखक के जीवन-संस्मरणों से नहीं, बल्कि भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक और राजनीतिक इतिहास की बहुआयामी यात्रा से भी परिचित कराती है। डायमंड पॉकेट बुक्स द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक संस्मरण, इतिहास और आत्मचिंतन का ऐसा समन्वय प्रस्तुत करती है, जो इसे समकालीन हिंदी साहित्य की उल्लेखनीय कृतियों में स्थान दिलाता है।

पुस्तक समीक्षा

समीक्षक: उमेश कुमार सिंह

पुस्तक की शुरुआत लेखक के गौरवशाली पारिवारिक इतिहास से होती है। मुंशी नवल किशोर जैसे महान प्रकाशक की विरासत से जुड़ा परिवार भारतीय प्रकाशन जगत का एक स्वर्णिम अध्याय रहा है। लेखक ने नवल किशोर प्रेस की स्थापना, भारतीय भाषाओं के हजारों ग्रंथों के प्रकाशक, धार्मिक और साहित्यिक धरोहरों के संरक्षण तथा ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने के अद्वितीय प्रयासों का विस्तृत उल्लेख किया है। 'बचपन की फुसफुसाहटें' अध्याय भावनात्मक संवेदनाओं से भरपूर है। लेखक अपने बचपन की स्मृतियों, लखनऊ की तहजीब, विशाल हवेली, पारिवारिक संबंधों, अनुशासन, भय, प्रेम और संस्कारों का इतना सजीव चित्र खींचते हैं कि पाठक स्वयं उस दौर में पहुंच जाता है। पुराने नौकर, ऐतिहासिक प्रिंटिंग प्रेस, पारिवारिक तनाव, स्कूल जीवन, पालतू पशुओं से जुड़ी घटनाएं और माता-पिता के साथ बिताए गए पल इस अध्याय को अत्यंत मानवीय बना देते हैं। लेखक की आत्मीय शैली पाठक को भावनात्मक रूप से पुस्तक से जोड़ देती है।

लखनऊ इस पुस्तक का एक मौन लेकिन प्रभावशाली पात्र है। लेखक ने शहर को केवल भौगोलिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि उसकी संस्कृति, नवाबी विरासत, साहित्यिक परंपरा, खानपान, स्थापत्य और सामाजिक जीवन के साथ प्रस्तुत किया है। विलियम रसेल, अब्दुल हलीम शरर, योगेश प्रवीण तथा अन्य विद्वानों के उल्लेख पुस्तक की ऐतिहासिक विश्वसनीयता को और सुदृढ़ करते हैं। लखनऊ के प्रति लेखक का आत्मीय लगाव हर पृष्ठ पर महसूस किया जा सकता है।

'जवानी की गर्मी' पुस्तक को नई ऊर्जा प्रदान करती है। यही वह चरण है जहां लेखक का संघर्षशील, जिज्ञासु और प्रयोगधर्मी व्यक्तित्व पूरी तरह उभरकर सामने आता है। फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (FTII) में चयन, यश चोपड़ा, रोमेश शर्मा, दुर्गा खोटे, शंकर-जयकिशन, मोहम्मद रफी, दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, बेगम अख्तर, अनूप जलोटा, वैजयंतीमाला और पद्मा सुब्रह्मण्यम जैसी विभूतियों से जुड़े संस्मरण पुस्तक को अत्यंत रोचक बना देते हैं। लेखक इन घटनाओं का वर्णन बिना किसी अतिशयोक्ति के करते हैं, जिससे उनकी प्रस्तुति स्वाभाविक और विश्वसनीय प्रतीत होती है।

यह पुस्तक केवल साहित्य और फिल्म जगत तक सीमित नहीं रहती। राजनीति, उद्योग, व्यापार, सामाजिक सेवा, चिकित्सा, अंतरराष्ट्रीय संबंध और विदेश यात्राओं से जुड़े अनुभव इसे बहुआयामी बनाते हैं। लौह अयस्क व्यापार, मध्य अफ्रीकी गणराज्य से जुड़े कूटनीतिक प्रयास, स्वास्थ्य क्षेत्र में लैप्रोस्कोपी कार्यक्रम के विस्तार तथा विभिन्न व्यावसायिक प्रयोगों की सफलता-असफलता लेखक ने पूरी ईमानदारी से साझा की है। इससे स्पष्ट होता है कि उनका जीवन अनेक क्षेत्रों के अनुभवों से समृद्ध रहा है।

भाषा इस पुस्तक की प्रमुख शक्ति है। सरल, सहज, प्रवाहपूर्ण और संवादात्मक शैली पाठक को आरंभ से अंत तक बांधे रखती है। ऐतिहासिक तथ्यों और व्यक्तिगत संस्मरणों के बीच लेखक ने संतुलन बनाए रखा है। कहीं-कहीं अंग्रेजी शब्दों और विदेशी संदर्भों का प्रयोग अवश्य है, लेकिन वह कथ्य की स्वाभाविकता को प्रभावित नहीं करता। संस्मरणात्मक शैली के कारण पाठक को ऐसा अनुभव होता है मानो लेखक स्वयं सामने बैठकर अपने जीवन की कथा सुना रहे हों।

लेखक की सबसे बड़ी विशेषता उनकी आत्मस्वीकृति और निष्पक्षता है। उन्होंने केवल उपलब्धियों का वर्णन नहीं किया, बल्कि अपनी असफलताओं, पारिवारिक मतभेदों, आर्थिक चुनौतियों, अधूरे सपनों और भावनात्मक संघर्षों को भी पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। यही स्पष्टवादिता इस आत्मकथा को विश्वसनीय और प्रभावशाली बनाती है। पुस्तक में भारतीय समाज के बदलते स्वरूप, शिक्षा, संस्कृति, तकनीकी विकास और भविष्य की संभावनाओं पर भी लेखक ने अपने विचार रखे हैं। नई पीढ़ी, तकनीकी क्रांति, उद्यमिता और बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था पर उनके विचार पुस्तक को केवल अतीत की यात्रा नहीं रहने देते, बल्कि वर्तमान और भविष्य से भी जोड़ते हैं। यही इसकी समकालीन प्रासंगिकता है।

यद्यपि पुस्तक का अधिकांश भाग अत्यंत रोचक है, फिर भी कुछ स्थानों पर घटनाओं और व्यक्तियों का विवरण अपेक्षाकृत लंबा हो जाता है। सामान्य पाठक के लिए इतने अधिक नाम और प्रसंग याद रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि कुछ अध्यायों का संपादन थोड़ा और संक्षिप्त होता तो पुस्तक की गति और प्रभाव और अधिक सशक्त हो सकते थे। हालांकि यह कमी इसकी समृद्ध सामग्री और ऐतिहासिक महत्व के सामने बहुत छोटी प्रतीत होती है। 'एक अनोखी दास्तान' केवल एक व्यक्ति की जीवन यात्रा नहीं, बल्कि भारतीय समाज, साहित्य, राजनीति, प्रकाशन, संस्कृति और बदलते समय का बहुआयामी दस्तावेज है। इतिहास, संस्मरण, आत्मचिंतन और प्रेरणा का यह संगम इसे विशेष बनाता है। यह पुस्तक उन पाठकों के लिए अत्यंत उपयोगी है जो भारतीय इतिहास, लखनऊ की सांस्कृतिक विरासत, प्रकाशन जगत, संस्मरण साहित्य और व्यक्तित्व विकास में रुचि रखते हैं। डायमंड पॉकेट बुक्स द्वारा प्रकाशित यह कृति समकालीन हिंदी संस्मरण साहित्य में एक महत्वपूर्ण योगदान है। लव भार्गव ने अपने अनुभवों के माध्यम से यह सिद्ध किया है कि किसी व्यक्ति का जीवन केवल निजी घटनाओं का संग्रह नहीं होता, बल्कि वह अपने युग का जीवंत इतिहास भी होता है। यदि आप ऐसी आत्मकथा पढ़ना चाहते हैं जिसमें इतिहास की गंभीरता, साहित्य की संवेदना, संस्कृति की गहराई, राजनीति की झलक, फिल्म जगत के रोचक संस्मरण, व्यापारिक अनुभव और जीवन दर्शन का अद्भुत समन्वय हो, तो 'एक अनोखी दास्तान' निश्चित रूप से आपकी पुस्तक-सूची में शामिल होनी चाहिए। यह केवल पढ़ने योग्य नहीं, बल्कि संग्रहणीय पुस्तक है, जो पाठक को अतीत से जोड़ते हुए भविष्य की ओर सोचने के लिए प्रेरित करती है।

नशे के खिलाफ देशभर में गूंजा युवा संकल्प, एक करोड़ से ज्यादा युवाओं ने ली नशामुक्ति की शपथ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली से किया 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' का राष्ट्रीय शुभारंभ, 100 सप्ताह तक चलेगा जन-आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नशे के खिलाफ देशव्यापी जनजागरण को नई गति देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अगस्त 2026 को नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का राष्ट्रीय शुभारंभ किया अभियान के तहत देशभर में एक साथ आयोजित कार्यक्रमों में एक करोड़ से अधिक युवाओं ने नशे से दूर रहने और नशामुक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाने की शपथ ली। यह अभियान आगामी 100 सप्ताह यानी लगभग दो वर्षों तक जन-आंदोलन के रूप में संचालित किया जाएगा। राष्ट्रीय शुभारंभ के अवसर पर देश के 10 हजार से अधिक स्थानों पर एक साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न राज्यों के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, जनप्रतिनिधि, युवा, सामाजिक एवं आध्यात्मिक संगठन तथा माय भारत के स्वयंसेवक भी इस राष्ट्रव्यापी अभियान से जुड़े।

एमसीबी में भी हुआ जिला स्तरीय आयोजन

इसी कड़ी में मनेन्द्रगढ़ स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी विद्यालय में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव एवं कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मां शारदा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया, जिसे उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों एवं युवाओं ने देखा और सुना। कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी, अनीता एवं माधुरी, डिप्टी कलेक्टर इंदिरा मिश्रा, एसडीएम लिंगराज सिदार, एसडीओ एलक्सियूस टोप्पो, प्राचार्य रामाश्रम शर्मा, संजीव कुमार, अर्चना वैष्णव, जिला खेल अधिकारी विनोद जायसवाल, विनोद पाण्डेय, टी. विजय गोपाल राव, जी.पी. बुनकर एवं परमेश्वर सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक एवं युवा उपस्थित रहे।

नशा सिर्फ युवा नहीं, पूरे परिवार के सपनों को करता है तबाह: अभियान के राष्ट्रीय शुभारंभ अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नशामुक्ति का यह अभियान किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र के भविष्य से जुड़ा अभियान है विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश के युवाओं का तन और मन से स्वस्थ, आत्मविश्वास से भरपूर तथा नशे जैसी घातक आदतों से पूरी तरह दूर रहना आवश्यक है उन्होंने कहा कि नशा केवल एक युवा का भविष्य बर्बाद नहीं करता बल्कि उसके साथ पूरे परिवार के ने भी टूटते हैं। नशा मां की मुस्कान छीनता है, पिता के सपनों को चूर करता है बहन की राखी की उम्मीद को कमजोर करता है और छोटे भाई का सहारा छीन लेता है। इसलिए हर युवा को नशे के

जाल में फंसने से बचाना पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

काशी से निकला विचार बना राष्ट्रीय अभियान: प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी से शुरू हुआ नशा मुक्ति का विचार आज राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप ले चुका है काशी की आध्यात्मिक ऊर्जा, संतों का आशीर्वाद और भारत की सांस्कृतिक विरासत इस अभियान को नई शक्ति प्रदान कर रही है देशभर के सामाजिक एवं आध्यात्मिक संगठन भी नशामुक्त भारत के संकल्प के साथ एकजुट हुए हैं। उन्होंने युवाओं को भारत की 'अमृत पीढ़ी' बताते हुए कहा कि आने वाले 20-25 वर्षों में यही युवा अपने जीवन के साथ देश को भी दिशा देंगे। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और कल्पनाशक्ति निर्णायक भूमिका निभाएगी। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रहकर अपनी क्षमता और सपनों की रक्षा करनी होगी।

100 सप्ताह तक चलेगा नशामुक्ति का जन-आंदोलन: प्रधानमंत्री ने कहा कि नशा मुक्ति का यह संकल्प केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा अगले 100 सप्ताह तक नशे के खिलाफ देशव्यापी जनजागरण को लगातार आगे बढ़ाया जाएगा प्रत्येक रविवार कला, संस्कृति योग, ध्यान अध्यात्म और सेवा से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाएगा। विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी और माय भारत के स्वयंसेवक भी इस अभियान से जुड़कर युवाओं को जागरूक करेंगे।

दो दिवसीय गौ-रक्षा संदेश पदयात्रा का समापन :गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध और गोपालकों को मानदेय देने की मांग दोहराई गई

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। दो दिवसीय गौ-रक्षा संदेश पदयात्रा का रविवार शाम राजराजेश्वरी मंदिर पर समापन हो गया इस पदयात्रा का उद्देश्य गौ-सेवा को बढ़ावा देना, गौ-संरक्षण को मजबूत करना और गौ-हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग उठाना था शहर की सीमा में प्रवेश करते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु, गौ-भक्त और सामाजिक संगठनों के लोग पदयात्रा से जुड़ गए। यह यात्रा थीम रोड, गुरुद्वारा चौराहा और राजराजेश्वरी रोड से होते हुए मंदिर परिसर पहुंची मंदिर परिसर में गुरु राजेश जी महाराज ने सबसे पहले मां राजराजेश्वरी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने गौ-माता की रक्षा और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर गुरु राजेश जी महाराज ने गौ-माता को भारतीय संस्कृति, कृषि और ग्रामीण जीवन की आधारशिला बताया मांगों पर निर्णय लेने की अपील उन्होंने सरकार से गौ-हत्या पर प्रभावी और पूर्ण प्रतिबंध लागू करने, शासकीय गौशालाओं की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने तथा गोपालन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रतिमाह निश्चित मानदेय देने जैसी मांगों पर गंभीरता से निर्णय लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि गौवंश की सुरक्षा और संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने से किसानों और समाज दोनों को लाभ मिलेगा गुरु राजेश जी महाराज ने स्पष्ट किया कि यह पदयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि गौ-संरक्षण के प्रति जन-जागरण का एक अभियान है उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान गांव-गांव और शहर में लोगों का व्यापक समर्थन मिला, जो इस विषय पर समाज की संवेदनशीलता को दर्शाता है दो दिन तक चली इस पदयात्रा की शुरुआत बैकुण्ठधाम आश्रम एनवारा (बदरवास) से हुई थी यह यात्रा देहरदा, लुकवासा, कोलारस पड़ोरा और सेसई सहित विभिन्न स्थानों से होते हुए रविवार शाम शिवपुरी पहुंची, जहां राजराजेश्वरी मंदिर में इसका विधिवत समापन किया गया।

चिरमिरी को मिली नई रेल परियोजना की सौगात, 602 करोड़ की ब्रॉडगेज लाइन के लिए टेंडर जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। चिरमिरी और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले की रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) ने पाराडोल से नागपुर रोड स्टेशन तक नई ब्रॉडगेज सिंगल रेल लाइन के निर्माण तथा बोरीडांड-चिरमिरी रेलखंड के स्लूइंग कार्य के लिए ई-टेंडर जारी कर दिया है लगभग 601.90 करोड़ लागत वाली इस परियोजना को 730 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है परियोजना के तहत पाराडोल टेकऑफ पॉइंट से नागपुर रोड स्टेशन तक करीब 17.5 किलोमीटर लंबी नई ब्रॉडगेज लाइन बिछाई जाएगी। इसके साथ ही बोरीडांड-चिरमिरी रेलखंड के एक हिस्से का स्लूइंग कार्य भी किया जाएगा। निर्माण में बड़े पुल रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) वायाडक्ट, आधुनिक सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणाली ऑप्टिकल फाइबर केबल तथा रेल विद्युतीकरण जैसे कार्य शामिल हैं नई चिरमिरी स्टेशन पाराडोल जंक्शन और नागपुर रोड स्टेशन का विकास भी इसी परियोजना का हिस्सा होगा देंश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री तथा स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के समग्र विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी उनके अनुसार नई रेल लाइन से एमसीबी जिले की देश के विभिन्न हिस्सों से कनेक्टिविटी मजबूत होगी जिससे यात्रियों के साथ-साथ कोयला और खनिज परिवहन को भी नई गति मिलेगी। इससे स्थानीय उद्योग, व्यापार और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होने की उम्मीद है परियोजना की घोषणा के बाद चिरमिरी और आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है लंबे समय से बेहतर रेल सुविधा की मांग कर रहे लोगों ने इसे ऐतिहासिक पहल बताते हुए स्वागत किया है स्थानीय नागरिकों ने इस उपलब्धि के लिए मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों की सराहना करते हुए उम्मीद जताई है कि परियोजना तय समय में पूरी होने पर क्षेत्र के विकास को नई रफ्तार मिलेगी।

नीलकंठ महादेव मंदिर में तोड़फोड़, प्रतिमाएं खंडित कर कुएं में फेंकीं पुलिस ने शुरू की जांच

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के खनियाधाना थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिनावल कला स्थित प्राचीन नीलकंठ महादेव मंदिर में अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ किए जाने का मामला सामने आया है घटना से ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल है सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी जानकारी के अनुसार अज्ञात बदमाश देर रात मंदिर परिसर में पहुंचे और वहां स्थापित देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाया आरोपियों ने भगवान शिव की प्रतिमा को उखाड़ने का प्रयास किया, लेकिन उसमें सफल नहीं हो सके। वहीं माता पार्वती की प्रतिमा को खंडित कर दिया। इसके अलावा नंदी

महाराज और भगवान गणेश की प्रतिमाओं को उखाड़कर मंदिर के समीप स्थित एक कुएं में फेंक दिया घटना की सूचना मिलने पर खनियाधाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कुएं से नंदी महाराज, भगवान गणेश और माता पार्वती की प्रतिमाओं को बाहर निकलवाया। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस ने साक्ष्य जुटाए और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है मामले की जानकारी मिलते ही विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ मंदिर पहुंचे विहिप जिला अध्यक्ष पवन शर्मा, बजरंग दल जिला संयोजक ऋषभ सोनी, प्रखंड बल उपासना प्रमुख कमल परिहार, प्रखंड अध्यक्ष भानु चौबे तथा प्रखंड संयोजक कपिल शर्मा के नेतृत्व में संगठन के कार्यकर्ताओं ने खनियाधाना थाने पहुंचकर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई संगठन के पदाधिकारियों ने घटना की निंदा करते हुए इसे धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला कृत्य बताया उन्होंने पुलिस प्रशासन से आरोपियों की शीघ्र पहचान कर उनकी गिरफ्तारी तथा कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है वहीं ग्रामीणों ने भी दोषियों पर सख्त कार्रवाई और मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठाई है खनियाधाना थाना प्रभारी केदार सिंह यादव ने बताया कि अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर लिया गया है पुलिस आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ कर रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश जारी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एक माह बाद मानसिक रूप से बीमार महिला सुरक्षित लौटी घर, बेटे ने रतलाम से लाया वापस

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। चिरमिरी के छोटी बाजार वार्ड क्रमांक-19 निवासी मानसिक रूप से बीमार महिला लक्ष्मी करीब एक माह बाद सुरक्षित अपने घर लौट आईं। महिला भटकते हुए 1 जुलाई को मध्यप्रदेश के रतलाम पहुंच गई थीं, जहां उन्हें शासकीय मेडिकल कॉलेज के आकस्मिक विभाग में भर्ती कराया गया था इलाज के बाद उन्हें मानसिक रोग विभाग में डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया जानकारी मिलने पर महिला के बेटे दीपक ने रतलाम पहुंचकर उनकी पहचान की और 31 जुलाई को उन्हें साथ लेकर छत्तीसगढ़ रवाना हुआ। परिवार के अनुसार, लक्ष्मी 1 अगस्त को चिरमिरी पहुंच गईं।

रेलवे ट्रैक पर 50 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला, पुलिस ने शुरू की जांच

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के सिरसौद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम असुआखेड़ी के पास रविवार सुबह रेलवे ट्रैक पर एक 50 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही सिरसौद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मृतक की पहचान ग्राम असुआखेड़ी निवासी देवीसिंह रावत (50) पुत्र रामजीलाल रावत के रूप में हुई है पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा, जहां रविवार को पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया मृतक के भाई जमुना रावत ने पुलिस को बताया कि शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब 12 बजे देवीसिंह बिना किसी को बताए घर से निकल गए थे। काफी तलाश के बाद भी उनका कोई पता नहीं चला। बाद में पुलिस से सूचना मिली कि गांव

के समीप रेलवे ट्रैक पर उनका शव मिला है घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और घटनास्थल से मिले तथ्यों के आधार पर मामले के हर पहलू की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पुलिस दुर्घटना, आत्महत्या अथवा अन्य किसी संभावित कारण से इनकार नहीं कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा देवीसिंह रावत अपने पीछे एक पुत्र और तीन पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों की निष्पक्ष जांच की जा रही है तथा जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एमसीबी में हाथियों का आतंक, 12 सदस्यीय दल ने मकान और फसलें की क्षतिग्रस्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के जनकपुर पार्क क्षेत्र में 12 जंगली हाथियों का दल लगातार विचरण कर रहा है हाथियों ने ग्राम ढाब में एक मकान को नुकसान पहुंचाने के साथ कई किसानों की फसलें भी रौंद दी हैं। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है जानकारी के अनुसार हाथियों का यह दल पिछले करीब दो महीने से क्षेत्र में मौजूद है। 30 जुलाई के बाद से हाथियों द्वारा नुकसान पहुंचाने की कई घटनाएं सामने आई हैं। ग्राम ढाब निवासी विशाले सिंह के मकान को हाथियों ने क्षतिग्रस्त कर दिया इसके अलावा खेतों में खड़ी फसलों को भी नुकसान पहुंचा है वहीं च्यूल और ढाब के बीच समार लोटन जंगल के पास सुनील नामक युवक का सामना अचानक हाथियों के झुंड से हो गया युवक ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई, लेकिन उसकी मोटरसाइकिल हाथियों ने तोड़ दी सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से हाथियों को जंगल की ओर सुरक्षित भेजा।

सिंध नदी घाट पर अवैध रेत खनन के खिलाफ कार्रवाई, दो ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक ट्रॉली जब्त

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के लुकवासा चौकी क्षेत्र अंतर्गत पचावली गांव स्थित सिंध नदी घाट पर अवैध रेत खनन के खिलाफ माइनिंग विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की टीम के अचानक पहुंचते ही अवैध खनन में लगे लोगों में हड़कंप मच गया। कई ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक अपने वाहन लेकर मौके से भागने लगे, लेकिन जल्दबाजी में कुछ वाहन फंस गए जानकारी के अनुसार, माइनिंग विभाग को सिंध नदी घाट पर लंबे समय से अवैध रूप से रेत उत्खनन किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। सूचना के आधार पर

खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार को मौके पर दबिश दी टीम को देखकर खनन में लगे कई लोग वाहन लेकर भाग निकले भागने के प्रयास में दो ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी किनारे की नरम मिट्टी में फंस गए वहीं एक रेत से भरी ट्रॉली नदी किनारे लावारिस हालत में मिली। संयुक्त टीम ने मौके से तीनों वाहनों को जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान कुछ अन्य वाहन चालक मौका पाकर फरार हो गए खनिज निरीक्षक ऋषभ दीक्षित ने बताया कि सिंध नदी घाट पर अवैध रेत खनन की सूचना मिलने के बाद माइनिंग विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि मौके से दो ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक ट्रॉली जब्त की गई है सभी जब्त वाहनों को लुकवासा चौकी परिसर में पुलिस अभिरक्षा में सुरक्षित रखा गया है खनिज विभाग के अधिकारियों के अनुसार मामले में आवश्यक दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं इसके बाद प्रकरण को कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा जहां नियमानुसार जुर्माना और अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी अवैध रेत खनन पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जिले में प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन को रोकने के लिए आगे भी इसी तरह की संयुक्त कार्रवाई जारी रहेगी वहीं स्थानीय लोगों ने भी सिंध नदी क्षेत्र में अवैध खनन पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है।

गाय बचाने में हाईवे पर पलटा ट्रक बीते एक दिन पहले इसी मार्ग पर 7 गौवंश की हुई थी मौत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के कोलारस थाना क्षेत्र में रविवार को नेशनल हाईवे-46 पर एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। शिवपुरी से गुना की ओर जा रहा एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक सड़क पर आए गौवंश को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसा खाटू श्याम होटल के पास हुआ जिसमें ट्रक में सवार एक व्यक्ति घायल हो गया उसे स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है पुलिस के अनुसार, ट्रक सामान्य गति से गुना की ओर बढ़ रहा था। इसी दौरान सड़क पर अचानक एक गाय आ गई चालक ने उसे बचाने के लिए ट्रक को तेजी से मोड़, लेकिन वाहन का संतुलन बिगड़ गया और ट्रक पलट गया स्थानीय लोगों ने पहुंचाई मदद हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और ट्रक में फंसे घायल को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया सूचना मिलने पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची और दुर्घटना की जांच शुरू कर दी एक दिन पहले भी हुआ था बड़ा हादसा गौरतलब है कि इसी नेशनल हाईवे-46 पर शुक्रवार देर रात भी बड़ा हादसा हुआ था। देहात थाना क्षेत्र में जियो पेट्रोल पंप के पास एक अज्ञात भारी वाहन ने सड़क किनारे बैठे सात गौवंश को कुचल दिया था जिससे सभी की मौके पर ही मौत हो गई थी बारिश में बढ़ रहा हादसों का खतरा बारिश के मौसम में आवारा गौवंश अक्सर सूखी जगह की तलाश में हाईवे और मुख्य सड़कों पर बैठ जाते हैं।

डीएड-बीएड प्रवेश के नाम पर लाखों की ठगी का आरोप 60 से ज्यादा छात्र पहुंचे थाने आरोपी पर एफआईआर दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के पिछोर थाना क्षेत्र में डीएड और बीएड पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिलाने के नाम पर कथित रूप से लाखों रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है रविवार को 60 से अधिक छात्र-छात्राएं एकजुट होकर पिछोर थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी प्रमोद शर्मा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) के तहत धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस को दिए आवेदन में कॉलेज चौराहा पिछोर निवासी 23 वर्षीय कृष्णा पुरोहित ने बताया कि ग्राम केरूआ, तहसील भितरवार जिला ग्वालियर निवासी प्रमोद

शर्मा पिछोर के शिवपुरी रोड पर जीआईटीएम नाम से एक कार्यालय संचालित करता था। आरोप है कि वह खुद को विभिन्न कॉलेजों से जुड़ा हुआ बताकर छात्र-छात्राओं को डीएड और बीएड में प्रवेश दिलाने का भरोसा देता था छात्रों का आरोप है कि आरोपी ने प्रवेश और फीस के नाम पर उनसे नकद एवं ऑनलाइन माध्यम से लाखों रुपए लिए कुछ विद्यार्थियों का प्रवेश कराया गया लेकिन संबंधित कॉलेजों में फीस जमा नहीं की गई। वहीं कई छात्रों से राशि लेने के बाद भी न तो उनका प्रवेश कराया गया और न ही पैसे वापस किए गए पीड़ित विद्यार्थियों के अनुसार, जब उन्होंने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी लगातार बहाने बनाकर टालता रहा पिछले करीब एक माह से उसका मोबाइल फोन बंद है और पिछोर स्थित कार्यालय भी बंद मिला। छात्रों का आरोप है कि आरोपी उनकी मेहनत की कमाई लेकर फरार हो गया है जिससे कई विद्यार्थियों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हुआ है छात्रों ने पुलिस को बैंक ट्रांजैक्शन, ऑनलाइन भुगतान की जानकारी रसीदें मोबाइल संदेश और अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि इस कथित धोखाधड़ी में 60 से अधिक छात्र-छात्राएं प्रभावित हुए हैं इनमें सत्यम शर्मा, संस्कार गुप्ता, शुभम जैन, विनोद जाटव, ध्रुव तिवारी, आदित्य बुंदेला, राहुल गुप्ता, पियूष कचेरे रोहित गुप्ता, सुयश श्रीवास्तव, वैदांत शर्मा, सौरभ सोनी नवीन पुरोहित, शिवम जैन, श्रुति शर्मा, आयुषी शर्मा, गौरव जैन, तनिष्का पाठक और सौम्या पाठक सहित अन्य विद्यार्थी शामिल हैं रविवार को बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के थाने पहुंचने के बाद पुलिस ने मामले की जांच की प्रारंभिक जांच में धोखाधड़ी के तथ्य सामने आने पर आरोपी प्रमोद शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।पुलिस अब आरोपी की तलाश कर रही है और मामले से जुड़े दस्तावेजों एवं अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी वहीं छात्रों ने प्रशासन से आरोपी की जल्द गिरफ्तारी कर उनकी राशि वापस दिलाने और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

छतरपुर में थाने में सल्फास खाने वाले युवक की मौत

झांसी में इलाज के दौरान तोड़ा दम

मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के नौगांव थाना परिसर में सल्फास खाने वाले 35 वर्षीय राजकुमार कुशवाहा की इलाज के दौरान झांसी में मौत हो गई। शनिवार को थाने में जहरीला पदार्थ खाने के बाद उसकी हालत गंभीर हो गई थी। पहले उसे नौगांव अस्पताल, फिर जिला अस्पताल और बाद में झांसी रेफर किया गया था, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। रविवार को नौगांव अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस से शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसी वजह से राजकुमार मानसिक तनाव में था और उसने यह कदम उठाया। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी।

शुक्रवार रात शिकायत लेकर पहुंचा था थाने: जानकारी के अनुसार, लाहेरा पुरवा निवासी राजकुमार कुशवाहा शुक्रवार रात करीब 11 बजे अपनी पत्नी के साथ नौगांव थाने पहुंचा था। उसने अपने बड़े भाई और भतीजे के खिलाफ शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की थी। परिजनों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की, जिससे राजकुमार परेशान था।

अगले दिन थाने में खाया सल्फास: परिजनों के मुताबिक, शनिवार दोपहर करीब 3 बजे राजकुमार फिर नौगांव थाने पहुंचा और थाना परिसर में ही कथित रूप से सल्फास का सेवन कर लिया। उसकी तबीयत बिगड़ते ही पुलिसकर्मी तत्काल उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल छतरपुर रेफर किया। हालत गंभीर होने पर उसे झांसी मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस बोली- तत्काल अस्पताल पहुंचाया था: एसडीओपी अमित मेश्राम ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने बिना देर किए अपने वाहन से राजकुमार को अस्पताल पहुंचाया और उपचार शुरू कराया। उन्होंने कहा कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी।

जांच के बाद होगी स्थिति स्पष्ट: पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, शिकायत से जुड़े दस्तावेज और अन्य तथ्यों की जांच के बाद ही मौत के कारणों और परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की सत्यता स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

मोबाइल कारोबारी ने पत्नी के सीने पर बैठकर गला रेता

चीख सुनकर पहुंचे पड़ोसी, बोले- चाकू से लगातार हमला कर रहा था पति

मीडिया ऑडीटर,रतलाम, (निप्र)। रतलाम में सुनारों की बावड़ी इलाके में मोबाइल कारोबारी ने पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी। महिला की चीख सुनकर पड़ोसी दौड़े तो उन्होंने आरोपी को पत्नी के सीने पर बैठकर चाकू से हमला करते देखा। पड़ोसियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने 35 वर्षीय आरोपी पति असगर अली को हिरासत में ले लिया है।

7 साल की बेटी और 2 साल का बेटा घर में मौजूद थे: घटना रविवार दोपहर करीब 12 बजे की है। मृतका की पहचान 33 वर्षीय रुकैया के रूप में हुई है। वारदात के समय घर में दंपती के दो बच्चे 7 साल की बेटी और 2 साल का बेटा भी मौजूद थे। बताया जा रहा है कि हमला होने के दौरान महिला ने बचाने के लिए शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

पड़ोसियों ने देखा खून से लथपथ महिला: पड़ोसी शांतिलाल राठौर ने बताया कि महिला की चीख सुनकर वे दो-तीन लोगों के साथ घर के अंदर पहुंचे। वहां असगर अपनी पत्नी के सीने पर बैठा था और उसके गले पर चाकू से वार कर रहा था। महिला के गले से लगातार खून बह रहा था। शांतिलाल के मुताबिक, हमें देखकर आरोपी हमारी तरफ चिल्लाया। डर के कारण हम बाहर निकल आए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पड़ोसी सुशील राठौर ने बताया कि असगर के माता-पिता बाहर गए हुए थे।

शव के पास ही था आरोपी, पुलिस ने पकड़ा

वहीं माणक चौक थाना प्रभारी विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। फॉरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए हैं। हत्या का कारण अभी पता नहीं चला है। जब पुलिस पहुंची तो आरोपी शव के पास ही था, उसे वहीं से पकड़ लिया गया।

एक बच्ची ने दी थी दादा को जानकारी

पड़ोसियों के अनुसार, घटना के समय बच्चे घर के अंदर थे। हालांकि, वे किस कमरे में थे, अभी यह पता नहीं चला। मकान के नीचे आरोपी के पिता की हार्डवेयर की दुकान है। उस समय वे दुकान पर ही थे। पड़ोसियों का कहना है कि घर के अंदर से एक बच्ची नीचे आई। उसने दादा को घटना की जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने लोगों को सूचना दी।

सीहोर में बाइक चोरी, वारदात सीसीटीवी में कैद फुटेज के आधार पर जांच शुरू

लगातार वाहन चोरियों से लोगों में बढ़ी चिंता

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर जिला मुख्यालय पर रविवार को डॉ. आंबेडकर पार्क धर्मशाला परिसर से एक दोपहिया वाहन चोरी हो गया। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका फुटेज अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि अज्ञात चोर किस तरह बेखौफ होकर बाइक को निशाना बनाते हैं। वे कुछ ही पलों में वाहन लेकर मौके से फरार हो जाते हैं, जिससे कानून और पुलिस के प्रति उनके डर की कमी उजागर होती है। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस हरकत में आई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान और जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि चोर दिनदहाड़े और सार्वजनिक स्थानों को निशाना बनाने से भी नहीं हिचक रहे हैं।

कृषि विभाग परिसर में सरकारी रिकॉर्ड जलाए गए अधिकारियों ने दी सफाई

कहा- समिति की जांच के बाद नियमों के तहत हुई कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में कृषि विभाग कार्यालय परिसर में पुराने शासकीय दस्तावेज जलाए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा का विषय बन गया है। वीडियो सामने आने के बाद विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे और लोगों ने यह जानने की मांग की कि आखिर कौन से दस्तावेज नष्ट किए जा रहे हैं। हालांकि, कृषि विभाग ने पूरे मामले पर सफाई देते हुए कहा है कि रिकॉर्ड का विनष्टीकरण शासन के निर्धारित नियमों और प्रक्रिया के तहत किया गया है। वायरल वीडियो में कृषि विभाग कार्यालय परिसर के खुले स्थान पर बड़ी संख्या में दस्तावेज जलते हुए दिखाई दे रहे हैं। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। कई लोगों ने आशंका जताई कि कहीं महत्वपूर्ण सरकारी रिकॉर्ड तो नष्ट नहीं किए जा रहे।

प्रशासन की भूमिका पर भी उठे सवाल: वीडियो वायरल होने के बाद यह सवाल भी उठने लगे कि क्या इस कार्रवाई की जानकारी जिला प्रशासन और कलेक्टर को पहले से थी या यह पूरी प्रक्रिया केवल विभागीय स्तर पर ही संपन्न की गई। हालांकि, जिला प्रशासन की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

कृषि विभाग ने दी सफाई: उप संचालक कृषि ए.के. उपाध्याय ने बताया कि पुराने सरकारी रिकॉर्ड को हमेशा सुरक्षित रखने का कोई प्रावधान नहीं है। शासन ने अलग-अलग प्रकार के दस्तावेजों के लिए पांच वर्ष, 15 वर्ष, 50 वर्ष या अन्य निर्धारित अवधि तक संरक्षण का नियम बनाया है। अवधि पूरी होने के बाद अनुपयोगी रिकॉर्ड को नियमानुसार नष्ट किया जाता है। समिति की जांच के बाद होता है विनष्टीकरण विभाग के अनुसार, रिकॉर्ड नष्ट करने से पहले एक विधिवत समिति गठित की जाती है।

खरगोन में तेज बारिश का दौर थमा:सीजन का 55% कोटा पूरा किसान 5 दिन बाद खेतों में लौटे

मीडिया ऑडीटर,खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में पिछले तीन दिनों से जारी रुक-रुककर तेज बारिश रविवार को थम गई। बारिश रुकने के बाद पांच दिन बाद खेतों में कामकाज फिर शुरू हो गया है। किसान निचले हिस्सों से पानी निकालने और निंदाई-गुड़ाई में जुट गए हैं। जिले में अब तक 18 इंच बारिश दर्ज की गई है।

इसके साथ ही सीजन का 55 प्रतिशत बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। पिछले साल इसी अवधि तक जिले में 11.7 इंच बारिश हुई थी। जिले की सालाना औसत बारिश 32.6 इंच है।

कुंदा, वेदा, इंद्रावती नदी उफान पर: बारिश के कारण जिले की कई नदियों और जलाशयों का जलस्तर बढ़ गया है। कुंदा, वेदा, इंद्रावती, दिवाली और बंधानी सहित कई पहाड़ी नदियां उफान पर हैं।

ऊपरी क्षेत्रों में हुई बारिश और बांधों से छोड़े गए पानी के कारण नर्मदा नदी का जलस्तर भी बढ़ा है।

हालांकि, भीकनगांव और गोगांवा क्षेत्र के खेतों के निचले हिस्सों में नदी-नालों का पानी भरने से फसलों को कुछ नुकसान हुआ है।

मैराथन दौड़ से हुई 'खंडवा गौरव दिवस' की शुरुआत

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। महान गायक और अभिनेता किशोर कुमार की जयंती पर आयोजित तीन दिवसीय 'खंडवा गौरव दिवस' का रविवार सुबह उत्साहपूर्ण आगाज मैराथन दौड़ के साथ हुआ। नगर निगम चौराहे से शुरू हुई इस दौड़ को प्रभारी कलेक्टर डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सैकड़ों युवा, छात्र-छात्राओं और शहरवासियों ने इसमें हिस्सा लेकर फिटनेस के साथ स्वच्छ एवं स्वस्थ खंडवा का संदेश दिया।

मैराथन में महापौर अमृता यादव, नगर निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सेवादास पटेल, एसडीएम ऋषि कुमार सिंघई, नगर निगम आयुक्त प्रियंका राजावत सहित कई जनप्रतिनिधि, पार्षद और अधिकारी मौजूद रहे।

'किशोर कुमार खंडवा की सांस्कृतिक पहचान': जनप्रतिनिधियों ने कहा कि किशोर कुमार सिर्फ खंडवा नहीं, बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक विरासत हैं। उनके जन्मदिवस पर आयोजित गौरव दिवस का उद्देश्य शहर की प्रतिभाओं को मंच देना और नागरिकों में अपने शहर के प्रति गर्व की भावना को मजबूत करना है। जुंबा डांस ने बढ़ाया उत्साह मैराथन से पहले और उसके बाद युवाओं ने जोश के साथ जुंबा डांस किया। संगीत की धुनों पर बड़ी संख्या में प्रतिभागी थिरकते नजर आए, जिससे आयोजन पूरी तरह उत्सव में बदल गया।

टेंट हाउस कारोबारी के घर घुसा 6 फीट लंबा मगरमच्छ सीढ़ियों पर देख एक घंटे तक परिवार दहशत में रहा

वन अमले ने शिवना नदी में छोड़ा

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के नारायणगढ़ में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक विशाल मगरमच्छ रिहाइशी इलाके में घुस आया। देखते ही देखते यह मगरमच्छ टेंट व्यवसायी शैलेंद्र पाटीदार के घर की सीढ़ियों तक जा पहुंचा। गनीमत यह रही कि समय रहते मगरमच्छ पर नजर पड़ गई, जिससे कोई अनहोनी नहीं हुई। परिवार की नजर जब मगरमच्छ पर पड़ी तो सभी के होश उड़ गए। तुरंत शोर मचाया। आवाज सुनकर ग्रामीण इकट्ठा हो गए। आशंका जताई जा रही है कि शैलेंद्र पाटीदार के घर के पास स्थित नाले में लगातार जलभराव होने के कारण मगरमच्छ नाले से भटक कर आबादी वाले क्षेत्र में आ गया। घटना रविवार सुबह 7.30 बजे की है।

एक घंटे की मशक्कत के बाद पकड़ा: ग्रामीणों ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत घटना की सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही डिप्टी रेंजर सुनील जैन और वनरक्षक मयूर चौहान के नेतृत्व में वन विभाग की टीम दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के सहयोग से वन विभाग ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद मगरमच्छ को सुरक्षित रूप से काबू में कर लिया गया।

5 से 6 फीट लंबा, 10 से 12 किलो वजनी था: जिला वन अधिकारी संजय रायखेरे ने बताया कि वन विभाग की टीम ने मगरमच्छ का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया है। उसे मुंदड़ी गांव के पास शिवना नदी में सुरक्षित छोड़ दिया गया। वनरक्षक मयूर सिंह चौहान ने बताया कि मगरमच्छ करीब 5 से 6 फीट लंबा और 10 से 12 किलो वजनी था।

इस तरह किया जाता है रेस्क्यू

वन रक्षक के मुताबिक, बताया कि मगरमच्छ का रेस्क्यू पूरी सावधानी और ट्रेंड टीम की मदद से किया जाता है। सबसे पहले टीम मगरमच्छ को चारों ओर से घेरती है। इसके बाद विशेष स्टिक की मदद से उसकी गर्दन को कंट्रोल किया जाता है, ताकि वह हमला न कर सके। फिर उसके मुंह को मजबूत रस्सी से बांधा जाता है और शरीर को कंट्रोल कर सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू वाहन में रखा जाता है। इसके बाद उसे नदी या बड़े तालाब में छोड़ दिया जाता है। जिला फॉरेस्ट अधिकारी संजय रायखेरे ने बताया कि मल्हारगढ़, नारायणगढ़ और नाहरगढ़ क्षेत्र में नदी और उससे जुड़े कई नाले हैं। बारिश के मौसम में मगरमच्छ पानी के बहाव के साथ रिहाइशी इलाकों तक पहुंच जाते हैं। ऐसे मामलों की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर सुरक्षित रेस्क्यू अभियान चलाती है।

मंदसौर में लगातार बारिश, खरीफ फसलों को मिली संजीवनी

15.48 इंच वर्षा दर्ज, अगले दो दिन गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। शनिवार रात से शुरू हुई बारिश रविवार को भी जारी रही, जिससे जिले के कई हिस्सों में रुक-रुककर तेज वर्षा हुई। पिछले 24 घंटों में औसतन करीब आधा इंच बारिश दर्ज की गई। मौजूदा मानसून सीजन में अब तक कुल 15.48 इंच वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है। हालांकि, इस वर्ष का बारिश का आंकड़ा पिछले साल से कम है। पिछले वर्ष इसी अवधि तक जिले में 19.47 इंच वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार, इस साल अब तक लगभग 5 इंच कम बारिश हुई है। जिला मुख्यालय के साथ-साथ अफजलपुर, सीतामऊ, नाहरगढ़, भानपुरा, गरोठ, सुवासरा, शामगढ़, दलौदा, मल्हारगढ़, पिपलियामंडी, नारायणगढ़, डिगांव और बरखेड़ा सहित कई क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई। लगातार बारिश के कारण मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। तापमान में गिरावट आने से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है।

रुक-रुककर बारिश का सिलसिला जारी: शनिवार रात से रविवार सुबह तक मध्यम बारिश होती रही। रविवार को भी आसमान में बादल छाए रहे और जिले के कई इलाकों में रुक-रुककर बारिश का सिलसिला जारी रहा। मौसम विभाग के अनुसार, अधिकतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 24 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। बारिश से मौसम सुहावना बना हुआ है, हालांकि बीच-बीच में नमी बढ़ने से हल्की उमस भी महसूस की गई।

अगले दो दिन बौछार की संभावना: मौसम विभाग ने 3 और 4 अगस्त को जिले में बादल छाए रहने के साथ कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है। वहीं, 5 और 6 अगस्त को भी मौसम सामान्यतः बादलों से ढका रहेगा और बीच-बीच में हल्की बारिश हो सकती है। विभाग ने अगले दो दिनों तक जिले के अधिकांश हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना व्यक्त की है। लगातार हो रही बारिश से सोयाबीन, मक्का, उड़द सहित खरीफ फसलों को पर्याप्त नमी मिल रही है, जिससे फसलों की बढ़वार बेहतर होने की उम्मीद है।

शादी के 5 दिन बाद तिमंजिला बिल्डिंग से गिरी दुल्हन मौत:नीचे उतर रही थी, रस्सी टूट गई ढाई लाख रुपए देकर बिहार से लाए थे

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। मध्य प्रदेश के रतलाम में शादी के महज पांच दिन बाद एक नवविवाहिता की फिल्मी अंदाज में घर से भागने की कोशिश उसकी मौत का कारण बन गई। आधी रात दूसरी मंजिल से रस्सी के सहारे नीचे उतरते समय रस्सी टूट गई और वह करीब 25 फीट नीचे गिर गई। गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। महिला बिहार की रहने वाली थी। उसकी शादी कथित तौर पर 2.60 लाख रुपए लेकर दलालों के जरिए कराई गई थी। अब पुलिस पूरे मामले की जांच के साथ-साथ संभावित 'लुटेरी दुल्हन गिरोह' के एंगल से भी पड़ताल कर रही है।

रस्सी टूट गई, 25 फीट नीचे रेत के ढेर पर गिरी: घटना 30 जुलाई की रात रतलाम के करमदी रोड क्षेत्र की है, जो शनिवार को सामने आई। वेल्डिंग का काम करने वाले 45 वर्षीय मुकेश चौहान ने 26 जुलाई को बिहार के रोहतास जिले के करवंदिया गांव निवासी 23 वर्षीय संध्या चौधरी से शादी की थी। मुकेश के मुताबिक, दोनों दूसरी मंजिल के कमरे में सो रहे थे, जबकि उनकी मां बसंतीबाई ग्राउंड फ्लोर पर थीं। देर रात संध्या ने दूसरी मंजिल के शेड पर लगे लोहे के पोल से रस्सी बांधी और नीचे उतरने लगी। करीब 10 फीट नीचे पहुंचते ही दो साल पुरानी रस्सी टूट गई और वह लगभग 25 फीट नीचे रेत के ढेर पर गिर गई।

पति की नींद खुली तो कमरे में नहीं मिली पत्नी: मुकेश ने बताया कि रात करीब 2 बजे उसकी नींद खुली तो पत्नी कमरे में नहीं थी। पहले लगा कि वह बाथरूम गई होगी, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटी। इसके बाद उसने पूरे घर में तलाश की और पड़ोसियों को बुलाया। घर के पीछे रेत के ढेर पर संध्या बेसुध पड़ी मिली। उसे तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर माणकचौक थाना पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को दूसरी मंजिल से बंधी टूटी हुई रस्सी भी मिली।

उज्जैन के दलाल के जरिए 2.60 लाख देकर शादी: मुकेश का दावा है कि उसकी शादी उज्जैन जिले के बड़नगर के जैथलाकलां निवासी मोहन नामक व्यक्ति के माध्यम से कराई गई थी, जिसके लिए उसने 2.60 लाख रुपए दिए थे। घटना के बाद से मोहन भी संपर्क में नहीं है। उसने बताया कि शादी के दौरान संध्या की मां और भाई से मिलवाया गया, लेकिन उनके नाम तक नहीं बताए गए। शादी की कानूनी प्रक्रिया कराने आए वकील ने फोटो और वीडियो बनाने से भी मना कर दिया। बाद में रतलाम पुलिस की सख्ती के बाद उसी वकील ने वॉट्सएप पर शादी की तस्वीरें भेजीं।

परिजन नहीं पहुंचे, पति ने किया अंतिम संस्कार: संध्या ने मकान निर्माण के दौरान मचान बांधने के लिए लाई गई दो साल पुरानी रस्सी का इस्तेमाल किया था। घटनास्थल से पोल से बंधा करीब 10 फीट लंबा रस्सी का टुकड़ा मिला है। थाना प्रभारी विक्रमसिंह चौहान और एफएसएल अधिकारी डॉ. अतुल मित्तल ने भी मौके का निरीक्षण किया। घटना की सूचना संध्या के परिजन को बिहार में दी गई, लेकिन शनिवार तक कोई भी रतलाम नहीं पहुंचा। पोस्टमॉर्टम के बाद शव पति मुकेश को सौंप दिया गया, जिसके बाद उसने अंतिम संस्कार कर दिया।

कुएं में गिरा 7 साल का बच्चा:बिना मुंडेर का था कुआं मोटर घंटों की मशक्कत के बाद निकाला शव

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के सिलवानी थाना क्षेत्र की जैथारी चौकी अंतर्गत ग्राम घूरपुर में शनिवार को खेत में बने खुले कुएं में गिरने से सात वर्षीय बालक युवांश आदिवासी की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, युवांश खेलते-खेलते खेत में बने बिना मुंडेर वाले कुएं के पास पहुंच गया। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह कुएं में गिर गया और गहरे पानी में डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने बच्चे को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन कुएं में अधिक पानी होने के कारण सफलता नहीं मिली। सूचना पर सिलवानी पुलिस और रेस्क्यू टीम भी मौके पर पहुंच गई।

मोटर पंप से कुएं का पानी कम कराया: रेस्क्यू टीम ने मोटर पंप से कुएं का पानी कम कराया। काफी मशक्कत के बाद बच्चे को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद ग्रामीणों ने खुले और बिना मुंडेर वाले कुओं की सुरक्षा व्यवस्था पर चिंता जताई। उन्होंने प्रशासन से ऐसे सभी कुओं के चारों ओर सुरक्षा मुंडेर बनवाने की मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसे रोके जा सकें।

भारतीय तेज गेंदबाज का DPL में धमाकेदार आगाज

डेयू मैच की पहली ही गेंद परलिया विकिट

नई दिल्ली एजेंसी। स्टार भारतीय तेज गेंदबाज मयंक यादव ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स के लिए 'दिल्ली प्रीमियर लीग' में अपने डेब्यू मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लिया.इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है.मयंक ने यह उपलब्धि बीते दिनि साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स' के खिलाफ खेले गए टूर्नामेंट के दूसरे मैच में हासिल की.दूसरी पारी में मयंक ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स के लिए नई गेंद संभाली.उन्होंने ऑफ स्टंप के बाहर एक फुल टॉस गेंद फेंकी और साउथ दिल्ली के ओपनर सनत सांगवान ने उसे कवर्स की तरफ ड्राइव करने की कोशिश की,लेकिन सनत के बल्ले का अंदरूनी किनारा लगा और गेंद टकराकर स्टंप्स पर जा लगी. Duleep Trophy : रजत पाटीदार को बड़ी सौगात, सेंट्रल जोन के बने कप्तान, जानें Squad मयंक ने ईस्ट दल्ली राइडर्स के लिए शानदार गेंदबाजी की और अपने तीन ओवर में 1/23 के आंकड़े के साथ स्पेल पूरा किया, लेकिन उनकी कोशिशें टीम को हार से बचाने के लिए काफी नहीं थीं, क्योंकि साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने 166 रन का लक्ष्य हासिल कर चार विकेट से जीत दर्ज की. साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने 19 ओवर से भी कम समय में लक्ष्य हासिल कर लिया, जिसमें अनमोल शर्मा ने अहम भूमिका निभाई. उन्होंने 36 गेंदों पर धुआंधार 64 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और दो छक्के शामिल थे ।

IND vs SLN- टीम इंडिया को बड़ा झटका

भारतीय स्टार तेज गेंदबाज श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले बड़ा झटका लगा है। स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बाएं घुटने में लगातार हो रही परेशानी के कारण उनके पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर रहने की खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE), बेंगलुरु में मेडिकल जांच के बाद उनकी वापसी को लेकर जोखिम नहीं लेने का फैसला किया गया है।

● घुटने की परेशानी बनी बाहर होने की वजह: टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, टी20 विश्व कप 2026 के दौरान बुमराह के बाएं घुटने की समस्या फिर उभर आई थी। इसके बाद उन्हें इंजेक्शन सहित विशेष इलाज दिया गया, लेकिन रिकवरी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। मेडिकल टीम और टीम मैनेजमेंट ने तय किया कि पूरी तरह फिट होने तक उन्हें रेड-बॉल क्रिकेट में नहीं उतारा जाएगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि शुरुआती योजना के तहत बुमराह के दूसरे टेस्ट में खेलने की संभावना पर चर्चा हुई थी, लेकिन आखिरकार उनकी वापसी को जल्दबाजी में कराने के बजाय पूरी तरह फिट होने का इंतजार करने का फैसला लिया गया।

● BCCI नहीं लेना चाहता कोई जोखिम- सूत्रों के मुताबिक, बोर्ड पिछले अनुभवों से सबक लेते हुए बुमराह की फिटनेस के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहता। आने वाले महीनों में भारत को एशियन गेम्स, न्यूजीलैंड दौरा और फिर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जैसी अहम सीरीज खेलनी हैं। ऐसे में टीम मैनेजमेंट उन्हें पूरी तरह फिट होने के बाद ही मैदान पर उतारना चाहता है। कौन करेगा बुमराह की जगह रिप्लेस हालांकि बुमराह को श्रीलंका दौरे के लिए घोषित टीम में शामिल किया गया था ।

गुलवीर सिंह बने CWG के एक ही एडिशन में दो मेडल जीतने वाले पहले भारतीय

● 5000 मीटर में भारत को दलिाया इतिहास का पहला मेडल

ग्लासगो एजेंसी। गुलवीर सिंह कॉमनवेल्थ गेम्स के एक ही एडिशन में दो मेडल जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक एंड फील्ड एथलीट बन गए. वे पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में कॉमनवेल्थ गेम्स का मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं. गुलवीर सिंह ने ग्लास्गो में देर रात इतिहास रच दिया.वे पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में कॉमनवेल्थ गेम्स का मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं. इतना ही नहीं, वह गेम्स के एक ही एडिशन में दो मेडल जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक एंड फील्ड एथलीट बन गए. 28 जुलाई को 10 हजार मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल जीतने के बाद मौजूदा एशियाई चैंपियन ने एथलेटिक्स प्रतियोगिता के आखिरी दिन 5000 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता. उन्होंने यह दौड़ 13:24.95 में पूरी की. केन्या के मैथ्यू किपचुम्बा किपसांग ने 13:23.61 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि 10 हजार मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल जीतने वाले ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने 5000 मीटर में 13:24.70 के समय के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया ।

0.04 सेकंड के अंतर से जीता मेडल

28 साल के गुलवीर सिंह के नाम 5000 मीटर और 10,000 मीटर दोनों में नेशनल रिकॉर्ड हैं.इस रेस में उनका समय उनके इस सीजन के सबसे अच्छे समय (13:03.93) से काफी ज्यादा रहा.शनिवार को उनका समय उनके नेशनल रिकॉर्ड (12:59.77) से भी धीमा था.गुलवीर पूरी रेस के दौरान आगे चल रहे ग्रुप के साथ बने रहे और आखिरी लैप में अपनी चाल चली ।

पिता खेतों में दिहाड़ी मजदूर और बेटे ने कॉमनवेल्थ गेम्स में जीता सिल्वर

● प्रेरणादायक है प्रवीण चित्रावेल का सफर

तिरुवरुर (तमिलनाडु) एजेंसी। सेट्टीसथिरम गांव में दिहाड़ी पर खेतों में काम करने वाले एक मजदूर के साधारण घर में उस समय खुशी की लहर दौड़ गई, जब भारतीय एथलीट प्रवीण चित्रावेल ने 2026 ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स की पुरुषों की ट्रिपल जंग स्पर्धा में रजत पदक जीत लिया। प्रवीण के पिता चित्रावेल ने अपने बेटे की इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर फक्र महसूस करते हुए परिवार के संघर्षपूर्ण सफर को याद किया। उन्होंने पीटीआई से कहा, 'मैं खेतों में एक दिहाड़ी मजदूर हूं। मैंने दिहाड़ी मजदूरी से होने वाली कमाई से अपने बच्चों को पढ़ाया-लिखाया और उनके सपनों को पूरा करने में हरसंभव सहयोग दिया।'

एफ57 शॉट पुट में भारत ने 'गोल्ड' के साथ 'सिल्वर' भी जीता

ग्लासगो एजेंसी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शनिवार को पैरा एथलेटिक्स में भारत ने इतिहास रच दिया। सोमन राणा ने पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीता। वहीं, शुभम जुयाल ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। कॉमनवेल्थ गेम्स में पुरुषों के शॉट पुट एफ57 इवेंट में यह भारत का पहला गोल्ड मेडल था और साथ ही इस इवेंट में देश की पहली 'डबल पोडियम' फिनिश भी थी। सोमन राणा ने अपने दूसरे प्रयास में 13.40 मीटर का विनिंग थ्रो किया, जिसे प्रतियोगिता के बाकी समय में कोई भी प्रतिद्वंद्वी पार नहीं कर सका। वहीं, शुभम ने अपने छठे और अंतिम प्रयास में 13.28 मीटर का थ्रो करते हुए सिल्वर मेडल की स्थिति हासिल की। सेड्रिक इड्रिस लेकेजो अजमदजी ने 12.57 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कैमरून के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। सोमन ने 13.38 मीटर के शुरुआती थ्रो के साथ प्रतियोगिता में शानदार शुरुआत की। इसके बाद अपने दूसरे प्रयास में गोल्ड मेडल दिलाने वाले 13.40 मीटर के थ्रो तक सुधार किया।

● जानें 74 देशों में किस स्थान पर पहुंचा

भारत ने एक ही दिन में 16 मेडल जीत लगाई लंबी छलांग

ग्लासगो एजेंसी। भारत के लिए ग्लास्गो 2026 कॉमनवेल्थ गेम्स का 10वां दिन सबसे शानदार रहा.भारत ने एक ही दिन में 16 मेडल जीते और टूर्नामेंट खत्म होने में एक दिन बाकी रहते हुए ओवरऑल मेडल टैली में 10वें स्थान से सीधे चौथे स्थान पर पहुंच गया. बॉक्सिंग रिंग में भारतीय मुक्केबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया. मुक्केबाजों ने भारत की झोली में सात गोल्ड और तीन सिल्वर मेडल डाले. भारत ने बॉक्सिंग,पैरा-एथलेटिक्स, एथलेटिक्स और जूडो में मेडल जीते और अपनी कुल मेडल संख्या 39 तक पहुंचाई, जिसमें 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और नौ ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं. सचिन और अंकुश ने जड़े गोल्डन पंच, भारत ने बॉक्सिंग में जीते सात गोल्ड मेडल स्टैंडिंग में भारत अब केवल ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा से पीछे है.ऑस्ट्रेलिया 153 मेडल (62 गोल्ड, 40 सिल्वर और 51 ब्रॉन्ज़) के साथ गेम्स में अपना दबदबा बनाए हुए है ।

अर्शदीप सिंह ने चुने अपने टॉप पांच पसंदीदा गेंदबाज

अश्विन से मांगी माफी

नई दिल्ली एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर अर्शदीप सिंह ने अपने टॉप पांच गेंदबाजों के नाम बताए, जिसमें उन्होंने दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन से ऊपर कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल को रखा। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार को अपना टॉप गेंदबाज बताया। यह तेज गेंदबाज हाल ही में खत्म हुए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सीजन में शानदार फॉर्म में रहा है। अर्शदीप ने मोहम्मद शमी को दूसरे नंबर पर और पंजाब किंग्स में अपने साथी खिलाड़ी युजवेंद्र चहल को चौथे नंबर पर रखा। कृष्णंक अत्रे के यूट्यूब चैनल पर अर्शदीप ने कहा, 'भुवी भाई टॉप पर हैं क्योंकि वह मेरे पर्सनल फेवरेट भी हैं। मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं, इसलिए मैं थोड़ा पक्षपाती हूं। मैं सबसे पहले सभी तेज गेंदबाजों को रेट करूंगा। दूसरे नंबर पर मैं शमी भाई को चुनूंगा क्योंकि, जैसा कि आप जानते हैं, वह किसी भी विकेट पर गेंद को सीम करा सकते हैं। उनकी गेंदबाजी बेहतरीन है, और वह सीम को एकदम सही तरीके से पेश करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'तीसरे नंबर पर कुलदीप यादव होंगे क्योंकि उनके पास बहुत ही खास स्किल सेट है - वह बाएं हाथ के चाइनामैन गेंदबाज हैं। फिर यूजी भाई हैं, क्योंकि हम पंजाब टीम में साथी खिलाड़ी हैं और उनका रिकॉर्ड भी शानदार है। उन्होंने बहुत सारे विकेट लिए हैं। मैं ऐश भाई को आखिरी नंबर पर नहीं रखना चाहता था, लेकिन कोई और जगह नहीं बची थी, इसलिए वह पांचवें नंबर पर आते हैं। वह बेहतरीन हैं, लेकिन ऐश भाई ढक्कन में पंजाब के लिए मेरे पहले कप्तान भी थे। सॉरी, ऐश भाई, मैं आपको पर्सनली मैसेज करूंगा।' इसके अलावा अर्शदीप ने सभी फॉर्मेट के लिए अपनी भारत की प्लेइंग ढक्कन भी चुनी।

टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे के शेड्यूल में छेड़छाड़

● जानें कब और किस दिन शुभमन गिल की सेना खेलेगी वॉर्म अप मैच

नई दिल्ली एजेंसी। शुभमन गिल की कप्तानी वाली टेस्ट टीम इंडिया बहुत जल्द श्रीलंका दौरे के लिए रवाना होने वाली है. भारत और श्रीलंका के बीच पहले टेस्ट मैच का आगाज 15 अगस्त से होना है. लेकिन इससे पहले श्रीलंका दौरे पर टीम इंडिया एक वॉर्म-अप मैच भी खेलती नजर आएगी और इसमें एक बड़ा बदलाव हुआ है. पहले टीम इंडिया और श्रीलंका इलेवन के बीच चार दिवसीय अभ्यास मैच होना था, लेकिन अब इसे तीन दिन का कर दिया गया है.

टीम इंडिया के वॉर्म अप मैच में बदलाव क्रिकबज में छपी खबर के अनुसार, टीम इंडिया और श्रीलंका इलेवन के बीच रेड बॉल से चार दिवसीय मैच 7 अगस्त से खेला जाना था. लेकिन अब यह मुकाबला 7 अगस्त से ही शुरू होगा, मगर 9 अगस्त को समाप्त हो जाएगा, जबकि पहले यह अभ्यास मैच 10 अगस्त को समाप्त होना था । बीसीसीआई की तरफ से पहले चार दिवसीय मैच की जानकारी सामने आई थी, लेकिन अब यह तीन दिन तक कोलंबो के मैदान में खेला जाएगा.

श्रीलंका में कब शुरू होगा पहला टेस्ट

टीम इंडिया के श्रीलंका दौरे के ट्रैवल प्लान पर नजर डालें तो सभी खिलाड़ी 4 अगस्त को श्रीलंका रवाना हो जाएंगे. भारत के खिलाड़ी फिर 7 अगस्त से कोलंबो के मैदान पर तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेंगे. इस मैच की समाप्ति के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ी गॉल के लिए रवाना होंगे और पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से खेला जाएगा ।

भुवनेश्वर कुमार का बड़ा बयान, राष्ट्रीय टीम में वापसी अब मुख्य मकसद नहीं है

नई दिल्ली एजेंसी। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय टीम में वापसी अब उनके लिए मुख्य मकसद नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने भारतीय टीम से बाहर की जिंदगी को अपना लिया है और अब सिर्फ खेल के प्रति अपने जुनून की वजह से खेल रहे हैं। 36 साल के भुवनेश्वर ने आखिरी बार 2022 के आखिर में भारत के लिए खेला था। अब तक उन्होंने 21 टेस्ट, 121 वनडे और 87 ढक्कन20ढ्ढ मैच खेले हैं। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना पूरा करने के बाद उन्हें अब खुद को साबित करने का कोई दबाव महसूस नहीं होता।

भुवनेश्वर ने कहा, 'मैं ढक्कन और घरेलू क्रिकेट इसलिए खेल रहा हूं क्योंकि मुझे खेल से प्यार है। जब आप युवा होते हैं और भारत के लिए खेलते हैं, तो आप कहते हैं कि आपको खेल से प्यार है। लेकिन सच कहूं तो, 'जो आपके नियंत्रण में है उस पर ध्यान दें', 'ज्यादा न सोचें', या 'खेल के जुनून के लिए खेलना' - इन बातों को मैं अब असल में महसूस कर सकता हूं। मैं पहले ही भारत के लिए खेल चुका हूं।

अब मुझे यह हासिल करने की जरूरत नहीं है। अगर मुझे कोई और मौका मिलता है, तो यह बहुत अच्छी बात होगी, लेकिन मैं वह अनुभव कर चुका हूं। मैं अभी जो कुछ भी कर रहा हूं, वह खेल के प्रति मेरे प्यार की वजह से है। मुझे पता है कि मुझे अनुशासित रहना है।' उन्होंने कहा, 'मैं घरेलू क्रिकेट खेलता हूं, UP T20 लीग खेलता हूं।

अजिंक्य रहाणे को रिटायरमेंट के बाद CCI से मिलेगी हर महीने पेंशन

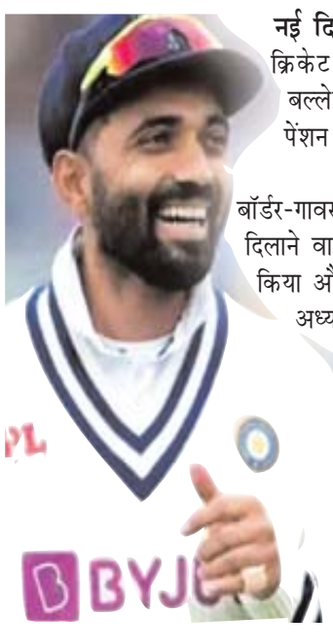

नई दिल्ली एजेंसी। 30 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे अब बीसीसीआई की पेंशन योजना के तहत हर महीने निश्चित राशि प्राप्त करेंगे। ऑस्ट्रेलिया में 2020-21 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाले रहाणे ने अपने करियर का शानदार अंत किया और अब उनके लिए क्रिकेट के बाद का नया अध्याय शुरू होने जा रहा है।

हर महीने मिलेंगे 70 हजार रुपये- अजिंक्य रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। 85 टेस्ट खेलने की वजह से वह बीसीसीआई की सर्वोच्च पेंशन श्रेणी में आते हैं। साल 2022 में बीसीसीआई ने पूर्व खिलाड़ियों की पेंशन राशि बढ़ाने का फैसला किया था। पहले इस श्रेणी के खिलाड़ियों को 50,000 रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलती थी, जिसे बढ़ाकर 70,000 रुपये प्रति माह कर दिया गया। इसी के तहत अब रहाणे को भी हर महीने 70 हजार रुपये की निश्चित पेंशन मिलेगी।

सौरव गांगुली के कार्यकाल में हुआ था फैसला- पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के कार्यकाल में बोर्ड ने पूर्व खिलाड़ियों और अंपायरों की आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पेंशन बढ़ाने का फैसला किया था। उस समय गांगुली ने कहा था कि, 'पूर्व क्रिकेटरों की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। खिलाड़ी ही भारतीय क्रिकेट की असली ताकत हैं और उनके खेल छोड़ने के बाद भी बोर्ड का उनके साथ खड़ा रहना हमारी जिम्मेदारी है।'

कब बंद हो सकती है पेंशन?

बीसीसीआई की यह पेंशन तब तक जारी रहेगी, जब तक अजिंक्य रहाणे बोर्ड के साथ किसी आधिकारिक पद पर नहीं जुड़ते। यदि भविष्य में वह कोच, सेलेक्टर या प्रशासक के रूप में बीसीसीआई की जिम्मेदारी संभालते हैं, तो उस दौरान उन्हें मिलने वाली पेंशन अस्थायी रूप से रोक दी जाएगी और उसकी जगह वेतन मिलेगा। युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करना चाहते हैं रहाणे जिंक्य रहाणे ने अभी अपने अगले करियर की औपचारिक घोषणा नहीं की है। हालांकि, संन्यास के बाद उन्होंने संकेत दिए हैं कि वह आने वाले समय में युवा क्रिकेटरों का मार्गदर्शन करना चाहते हैं और भारतीय क्रिकेट से जुड़े रहेंगे।

हार्दिक पांड्या को टीम से बाहर करेगी मुंबई इंडियंस

● ट्रेड डील की खबरों पर MI के प्रवक्ता ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली एजेंसी। हार्दिक पांड्या के IPL फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस को छोड़ने और ट्रेड डील के तहत चेन्नई सुपर किंग्स (ष्टस्च) में शामिल होने को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक पांड्या के अन्य ढक्कन फ्रेंचाइजी में ट्रेड डील की खबरों को मुंबई ने नकार दिया है। स्पोर्टस्टार का दावा है कि उन्होंने मुंबई इंडियंस के एक प्रवक्ता से बात की है। प्रवक्ता ने साफ तौर पर इस बात से इनकार किया है कि फ्रेंचाइजी, जैसा कि हाल ही में मीडिया में बताया गया था कि ढक्कन की दूसरी टीमों खासकर ष्टस्च के साथ पांड्या के ट्रेड को लेकर बातचीत कर रही है। प्रवक्ता की बातों से यह साफ है कि ऐसा होने वाला है। बस अभी पूरी प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। स्पोर्टस्टार के सूत्र ने बताया कि सीजन के बाद का रिव्यू अभी चल रहा है, और एक बार यह पूरा हो जाने के बाद उन्हें कई मामलों पर साफ जानकारी मिल जाएगी, जिसमें पांड्या का मामला भी शामिल है।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण से बेटियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का होता है विकास : मंत्री लखन लाल देवांगन

राज्य स्तरीय आवासीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर 2026 का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वाणिज्य उद्योग, श्रम एवं आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन आज जिला कुडो संघ द्वारा मंगल भवन, कटघोरा में आयोजित राज्य स्तरीय आवासीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर 2026 के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई प्रतिभाशाली बेटियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मंत्री देवांगन ने कहा कि बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देना केवल उन्हें स्वयं की सुरक्षा के लिए सक्षम बनाना नहीं है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन, साहस और नेतृत्व क्षमता का विकास करना भी है। जब हमारी बेटियाँ आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनती हैं, तभी एक सुरक्षित, सशक्त और विकसित समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में खेल अधोसंरचना के विकास, प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों तक खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए अनेक पहल की जा रही हैं। सरकार का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करना है। मंत्री देवांगन ने कहा कि भारत सरकार की खेलो इंडिया जैसी महत्वाकांक्षी पहल के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने और खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करने का कार्य कर रही है।

केंद्र एवं राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से प्रदेश के खिलाड़ियों को नई पहचान

और बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की बेटियाँ आज खेल, शिक्षा, कला और विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। उन्हें उचित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराकर देश के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ी एवं जिम्मेदार नागरिक बनाया जा सकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह राज्य स्तरीय आवासीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर प्रतिभागियों को जीवन की हर चुनौती का आत्मविश्वास के साथ सामना करने, अनुशासित जीवन जीने तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करेगा। कार्यक्रम के दौरान मंत्री देवांगन ने जिला कुडो संघ के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर बेटियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं।

इस अवसर पर पार्षद नरेंद्र देवांगन, पार्षद जनक राजपूत, कुडो कराते संघ की अध्यक्ष सु सीता रजक सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, प्रशिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आधार सेवा केंद्र बना ग्रामीणों के लिए भरोसे का आधार वर्षों से बंद पड़ी सुविधाएं हुईं बहाल, मती आयते को फिर मिलने लगा योजनाओं का लाभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन द्वारा नागरिक सेवाओं को सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाने के लिए संचालित आधार सेवा केंद्र अब ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव ला रहे हैं। दंतेवाड़ा जिले के ग्राम तोयलंका की निवासी मती आयते की कहानी इसका प्रेरक उदाहरण है, जिनकी वर्षों पुरानी आधार संबंधी समस्या का समाधान होने से उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ फिर से मिलने लगा है। मती आयते लंबे समय से आधार कार्ड अपडेट नहीं होने के कारण परेशान थीं। आधार निष्क्रिय होने से उन्हें पेंशन, राशन और अन्य शासकीय सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। कई बार प्रयास करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पाने से वे निराश हो चुकी थीं। इसी बीच उन्हें जानकारी मिली कि जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आधार सेवा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जहां आधार संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाता है। जानकारी मिलते ही वे सेवा केंद्र पहुंचीं और अपनी समस्या अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बताई। जांच में पता चला कि लंबे समय से ई-केवाईसी नहीं होने के कारण उनका आधार निष्क्रिय हो गया था। सेवा केंद्र के कर्मचारियों ने आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कर उनकी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कराई और आधार को पुनः सक्रिय कर दिया। पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी की गई।

आधार पुनः सक्रिय होने के बाद मती आयते को अब पेंशन, राशन और विभिन्न सामाजिक सुरक्षा एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने जिला प्रशासन और आधार सेवा केंद्र के कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सुविधा ने उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान कर दिया और उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई है। राज्य शासन की मंशा है कि हर नागरिक को बिना अनावश्यक परेशानी के शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ मिले। आधार सेवा केंद्रों के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों में ई-केवाईसी, बायोमेट्रिक अपडेट, मोबाइल नंबर अपडेट और आधार सक्रियण जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे नागरिकों को सरकारी योजनाओं तक पहुंच आसान हो रही है और डिजिटल सेवाओं पर उनका भरोसा मजबूत हो रहा है।

नवीन आपराधिक कानूनों के माध्यम से डिजिटल न्याय व्यवस्था को सशक्त बनाने संबंधी विषय पर 2 अगस्त को रायपुर में होगी राज्य स्तरीय कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। न्याय व्यवस्था को आधुनिक तकनीकों के माध्यम से अधिक सशक्त, सरल, सुगम एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से आगामी 2 अगस्त 2026 को रायपुर स्थित होटल बेबीलॉन इंटरनेशनल, वीआईपी रोड में 'नवीन आपराधिक कानूनों के माध्यम से डिजिटल न्याय व्यवस्था को सशक्त बनाना' विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यशाला नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा न्याय प्रणाली में डिजिटल तकनीकों के समावेश के माध्यम से न्यायिक प्रक्रिया को अधिक दक्ष, पारदर्शी एवं जनोन्मुखी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव तथा न्यायमूर्ति चंद्रवंशी की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के अन्य न्यायाधीशगण भी कार्यक्रम में सहभागी होंगे। राज्य स्तरीय कार्यशाला में छत्तीसगढ़ राज्य की न्यायिक सेवा के अधिकारीगण, सभी जिलों के पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस महानिदेशक सहित पुलिस एवं न्यायिक तंत्र के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। कार्यशाला न्यायपालिका, पुलिस एवं अभियोजन तंत्र के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ नवीन तकनीकों के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। कार्यशाला के दौरान अंतर-संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली (आईसीजेएस), अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं प्रणाली (सीसीटीएनएस), डिजिटल न्यायिक समन्वय, नवीन आपराधिक कानूनों के अंतर्गत तकनीकी एकीकरण तथा न्याय एवं पुलिस व्यवस्था के डिजिटलीकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा और विचार-विमर्श किया जाएगा। इन विषयों के संबंध में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) एवं राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के वरिष्ठ अधिकारी विषय विशेषज्ञ के रूप में तकनीकी प्रशिक्षण एवं विस्तृत प्रस्तुतीकरण देंगे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव राजा दक्ष प्रजापति जयंती एवं सामाजिक सम्मेलन में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज बिलासपुर के पंडित देवकीनंदन दीक्षित सभागार में आयोजित राजा दक्ष प्रजापति जयंती (सर्व कुम्हार समाज) एवं सामाजिक सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने कुम्हार समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीन काल से कुंभकार समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। रचना और निर्माण में कारीगरों को महारत हासिल है। विभिन्न ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थानों की खुदाई में मिट्टी के बर्तन मिले हैं। इससे पता चलता है कि प्राचीन सभ्यता में भी कुंभकारों का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि सामाजिक रीति-रिवाजों में कुंभकार की अहम भूमिका रहती है। सुख और दुख के कार्यों में मिट्टी के बर्तन उपयोग होते हैं। समय के साथ कुंभकार समाज भी अपनी योग्यता और मेहनत से आगे बढ़ रहा है। साव ने बताया कि मोदी सरकार की पीएम विश्वकर्मा योजना शिल्पकारों की तरक्की लेकर आई है। यह योजना शिल्पकार समाज की उन्नति के लिए बनाई गई है। इसका लाभ उठाकर समाज के लोग सक्षम बन रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने भी कुम्हार समाज के कल्याण के लिए माटीकला बोर्ड का गठन किया है। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि आधुनिक युग में फिर से मिट्टी के बर्तनों का उपयोग बढ़ा है। बर्तनों को आधुनिक रूप देकर बड़े होटलों में इस्तेमाल किया जा रहा है। ऑनलाइन और ई-कॉमर्स से मिट्टी के बर्तन खूब बिक रहे हैं। विधायकगण सर्व धरमलाल कौशिक जी, अमर अग्रवाल, धर्मजीत सिंह, अटल वास्तव और सुशांत शुक्ला, छत्तीसगढ़ माटीकला बोर्ड के अध्यक्ष शंभूनाथ चक्रवर्ती, समाज के अध्यक्ष किशन प्रजापति, बिलासपुर की महापौर मती पूजा विधानी, जिला पंचायत के अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी और दीपक सिंह सहित अनेक सामाजिक पदाधिकारी तथा गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी सोच को मिल रही गति, राजमेरगढ़ और कबीर चबूतरा को पर्यटन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्राकृतिक पर्यटन, धार्मिक आस्था स्थलों, जनजातीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एकीकृत कर स्थानीय विकास का नया मॉडल विकसित कर रही है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में प्रदेश के पर्यटन स्थलों का समग्र विकास, स्थानीय समुदायों की सहभागिता तथा रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी कड़ी में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के कलेक्टर विजय दयाराम के. ने गौरेला विकासखंड के राजमेरगढ़, कबीर चबूतरा, अगरियापारा, छोटकीरेवार एवं केवची क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण कर पर्यटन, जनजातीय संस्कृति तथा ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, जनजातीय जीवनशैली और सांस्कृतिक विरासत को पर्यटन से जोड़ते हुए स्थानीय लोगों के लिए स्थायी रोजगार के अवसर विकसित किए जाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप विकास का लाभ गांवों तक पहुंचे और स्थानीय संसाधन ही ग्रामीण समृद्धि का आधार बनें। उन्होंने कहा कि इससे पर्यटकों को जनजातीय जीवन, संस्कृति, खान-पान और परंपराओं को निकट से जानने का अवसर मिलेगा, वहीं स्थानीय परिवारों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह पहल राज्य सरकार की सामुदायिक पर्यटन नीति और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। उन्होंने राजमेरगढ़ के प्राकृतिक ट्रेकिंग मार्गों का भी निरीक्षण कर उन्हें साहसिक पर्यटन के अनुरूप विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि प्रकृति प्रेमियों और युवा पर्यटकों के लिए यह क्षेत्र आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सके। कबीर चबूतरा को धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन का सशक्त केंद्र बनाने पर जोर कलेक्टर ने जिले के प्रमुख आस्था स्थल कबीर चबूतरा का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने यहां निर्मित सीसी रोड का अवलोकन किया तथा क्रेडा विभाग को सोलर ड्यूल पंप का निर्माण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

युवा ज्ञान, नवाचार और नैतिक मूल्यों से करें राष्ट्र निर्माण-राज्यपाल रमेन डेका

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान को विवेक, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जनकल्याण के लिए उपयोग में लाना है। एक शिक्षित व्यक्ति की पहचान उसके प्रमाण-पत्रों से नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति उसके योगदान से होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करें, जो समाज के लिए स्थायी रूप से लाभकारी सिद्ध हो और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने। राज्यपाल डेका आज रायगढ़ स्थित ओ.पी. जिंदल विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। समारोह में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट तथा स्कूल ऑफ साइंस के 688 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान की गईं। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले 27 विद्यार्थियों को स्वर्ण, 28 को रजत तथा 29 विद्यार्थियों को कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि वर्तमान समय तेजी से बदलती तकनीक, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर है। ऐसे समय में उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षण तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि उन्हें ऐसे युवा तैयार करने होंगे जो ज्ञान के साथ संवेदनशीलता, नेतृत्व क्षमता, अनुसंधान की प्रवृत्ति और सामाजिक सरोकारों को भी अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षा की सच्ची सार्थकता केवल उपाधि प्राप्त करने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को समझदारी, दूरदर्शिता और नैतिक साहस के साथ जीवन में उतारने में है। आपका ज्ञान तभी पूर्ण होगा, जब वह समाज और मानवता के कल्याण में उपयोगी बने। जीवन में कम से कम एक ऐसा कार्य अवश्य करें, जो समाज के लिए स्थायी रूप से लाभकारी सिद्ध हो। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर निकलने वाले युवा अपने ज्ञान, प्रतिभा और संस्कारों के बल पर देश के विकास तथा समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। समारोह में जिंदल स्टील के चेयरमैन एवं सांसद नवीन जिंदल, विश्वविद्यालय की चांसलर मती शालू जिंदल, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार गोयल, जिंदल स्टील रायगढ़ के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर देबोज्योति रॉय, कुलपति डॉ.आर.डी. पाटीदार विशेष रूप से उपस्थित थे।

निगम के पांच वार्डो को मिली 76 लाख रूपए के विकास कार्यो की सौगात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 61, 63, 64, 65 एवं 66 के आज शनिवार को 76 लाख रूपये के विकास कार्यो की सौगात प्राप्त हुई। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, सार्वजनिक उपक्रम व आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर मती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान साढ़े 36 लाख रूपये के विकास कार्यो का लोकार्पण किया गया, तो वहीं साढ़े 39 लाख रूपये के विकास कार्यो का भूमिपूजन उनके करकमलों से सम्पन्न हुआ। इस अवसपर पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित वार्ड पार्षदगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। नगर पालिक निगम केारबा द्वारा वार्ड क्र. 65 भैरोताल के अंतर्गत 16 लाख 58 हजार रूपये की लागत से शासकीय माध्यमिक शाला में नवीन भवन एवं शौचालय का निर्माण कराया गया है, तो वहीं वार्ड क्र. 66 पंखादफाई अंतर्गत 20 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है। आज आयोजित कार्यक्रम के दौरान उद्योग मंत्री देवांगन एवं महापौर मती राजपूत ने इन नवनिर्मित दोनों विकास कार्यो को जनता जनार्दन की सेवा में समर्पित किया। इसी प्रकार वार्ड क्र. 65 भैरोताल में 11 लाख 50 हजार रूपये की लागत से दुर्गा मंदिर परिसर, छत निर्माण एवं कांक्रीट कार्य, वार्ड क्र. 61 खम्हरिया में संतलाल घर के पास 05 लाख रूपये की लागत से सांस्कृतिक मंच निर्माण, वार्ड क्र. 63 कुसमुण्डा प्रोजेक्ट एम.एस. में 01 लाख 81 हजार रूपये की लागत से बालक-बालिका शौचालय निर्माण, वार्ड क्र. 63 अंतर्गत 08 लाख 07 हजार रूपये की लागत से वालबाड़ी अतिरिक्त कक्ष, पी.एस. कुसमुण्डा प्रोजेक्ट निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 64 इमलीछापर परसाभांठा में अमरसाय घर के पास 05 लाख रूपये की लागत से मंच निर्माण तथा वार्ड क्र. 65 आनंदनगर नवधा पण्डाल के पास 08 लाख रूपये की लागत से मंच व शेड का निर्माण किया जाना हैं, आज इन सभी विकास कार्यो का भूमिपूजन उद्योग मंत्री देवांगन एवं महापौर मती राजपूत के हाथों किया गया।

छत्तीसगढ़ का हो रहा तेजी से विकासः इस अवसर पर दिये गये अपने उद्बोधन में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्राप्त हो रहे लगातार मार्गदर्शन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास कर रही है। उन्होने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 12 वर्षो के कार्यकाल में देश को विकास की नई ऊंचाईयों तक पहुंचाया है तथा उन्ही के मार्गदर्शन में हमारा छत्तीसगढ़ भी लगातार सज संवर रहा है।

विकसित भारत जी-राम-जीः डबरी बनी किसानों की समृद्धि का आधार जल संरक्षण के साथ 914 मानव दिवस रोजगार का सृजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के साथ-साथ स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण कर आजीविका को मजबूत करने की दिशा में विकसित भारत जी-राम-जी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुंगेली जिले में जल संरक्षण, सिंचाई सुविधा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे कार्यों का सकारात्मक असर अब किसानों के खेतों में दिखाई देने लगा है। विकासखण्ड पथरिया की ग्राम पंचायत सांवतपुर में हितग्राही ननकू-मन्नू के खेत में निर्मित डबरी इसका प्रेरक उदाहरण है। वर्षा जल का होगा संचयन, खेती को मिलेगा स्थायी सहारा शिकायत समन्वयक महेश कुमार डाहिरे ने बताया कि डबरी का आकार 23म23 मीटर है। इसके निर्माण के लिए लगभग 02 लाख 99 हजार 174 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई। निर्माण कार्य के दौरान 914 मानव दिवस रोजगार का सृजन हुआ, जिससे ग्रामीण श्रमिकों को गांव में ही रोजगार का अवसर मिला। अब यह डबरी केवल एक जल संरचना नहीं, बल्कि किसान के लिए सिंचाई और जल सुरक्षा का स्थायी साधन

बन गई है। वर्षा के दौरान इसमें पानी का संचयन होगा, जिसका उपयोग आवश्यकता के अनुसार खरीफ एवं रबी फसलों की सिंचाई में किया जा सकेगा। इससे खेती में पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और किसानों को सिंचाई के लिए बाहरी संसाधनों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। 914 मानव दिवस से मिला रोजगार, किसान को मिला स्थायी लाभ जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गोकुल रावटे ने कहा कि व्यक्तिगत लाभ के डबरी निर्माण जैसे कार्य ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। ग्राम पंचायत सांवतपुर में 914 मानव दिवस का रोजगार सृजन योजना के रोजगार उपलब्ध कराने और स्थायी परिसंपत्ति निर्माण के दोहरे उद्देश्य को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत द्वारा ऐसे कार्यों का गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है।

● रोजगार के साथ जल संरक्षण भी ●

डबरी निर्माण ने योजना के दोहरे उद्देश्य को साकार किया है। एक ओर ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला, वहीं दूसरी ओर किसान के खेत में ऐसी परिसंपत्ति तैयार हुई जो आने वाले वर्षों तक उपयोगी रहेगी। डबरी में जल संचयन से भू-जल पुनर्भरण, जल संरक्षण और जलवायु अनुकूल कृषि को भी बढ़ावा मिलेगा। जल उपलब्धता बढ़ने से फसल उत्पादन को स्थिरता मिलने के साथ खेती की लागत कम करने में भी मदद मिलेगी। इस प्रकार ग्रामीण रोजगार को कृषि उत्पादकता और प्राकृतिक संसाधन संरक्षण से जोड़कर गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में यह कार्य महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

विकसित भारत जी-राम-जी ग्रामीण विकास की मजबूत आधारशिला

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी योजना के माध्यम से निर्मित डबरी, खेत तालाब एवं अन्य जल संरक्षण संरचनाएं ग्रामीण विकास की मजबूत आधारशिला हैं। इससे एक ओर ग्रामीण परिवारों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलता है, वहीं दूसरी ओर किसानों को सिंचाई की स्थायी सुविधा प्राप्त होती है। जिले में जल संरक्षण और आजीविका संवर्धन से जुड़े ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा